संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
6 अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 103
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से शताब्दी ट्रेन से दिल्ली रवाना

पेज-8

दार्जिलिंग भूस्खलन में 20 लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

दार्जिलिंग। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग उपखंड में शनिवार को लगातार बारिश के कारण हुए एक बड़े भूस्खलन में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मिरिक-सुखियापोखरी मार्ग पर एक पहाड़ी ढलान के पास हुए भूस्खलन से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई और आसपास के कई इलाकों से संचार संपर्क टूट गया।

अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्यों में सहायता के लिए राज्य आपदा प्रबंधन विभाग और दार्जिलिंग जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय स्वयंसेवकों को भी तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण पहाड़ियों पर मिट्टी के कटाव और छोटे भूस्खलन की कई खबरें आई हैं, जिससे दार्जिलिंग और मिरिक के कई हिस्सों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उपखंड के बारिश से प्रभावित मिरिक क्षेत्र में कई टीमों को तैनात किया है, जहां मूसलाधार बारिश के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ है, जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है और कई गांवों का संपर्क क्षेत्र के बाकी हिस्सों से कट गया है। एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मोहसेन शहीदी के अनुसार, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और अलीपुरद्वार से तीन टीमें पहले ही तैनात की जा चुकी हैं, जबकि मालदा और कोलकाता से एक-एक और दो टीमें प्रभावित स्थलों के लिए रवाना हो गई हैं। शहीदी ने आईएएनएस को बताया, 'हमारे कर्मी लापता लोगों का पता लगाने और फंसे हुए ग्रामीणों की सहायता के लिए गहन बचाव और राहत अभियान में लगे हुए हैं।' कल रात से लगातार हो रही भारी बारिश ने दार्जिलिंग जिले के कई हिस्सों, खासकर मिरिक और सुखिया पोखरी इलाकों में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है, जहाँ सड़कें और घर बह गए हैं। भूस्खलन के कारण कई प्रमुख ग्रामीण संपर्क मार्गों सहित कई मार्गों पर संपर्क टूट गया है, जिससे राहत कार्यों में बाधा आ रही है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी, एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया टीमों की सहायता से, फंसे हुए ग्रामीणों को बचाने में लगे हुए हैं।

कई परिवारों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से निकालकर अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुँचाया गया है। कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में उत्तर बंगाल के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश का अनुमान लगाया है और पहाड़ी इलाकों में और अधिक भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि केंद्र प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। X पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहाः 'दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूँ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।' उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा, 'भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उत्तर बंगाल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और भीषण जलभराव हुआ है, जिससे दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी सहित कई जिलों में व्यापक क्षति, सड़कें अवरुद्ध और जानमाल का नुकसान हुआ है। कुर्सेओंग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रॉय के अनुसार, मलबे से सात शव बरामद किए गए हैं, जबकि दो और लोग अभी भी लापता हैं।

PM मोदी ने नेपाल में हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन, भूस्खलन में अब तक 51 लोगों की मौत

नई दिल्ली– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति पर रविवार को दुख जताते हुए कहा कि एक मित्र पड़ोसी एवं सबसे पहले मदद देने वाले देश के रूप में भारत हर प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति दुखद है। हम इस कठिन समय में नेपाल के लोगों और उसकी सरकार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि एक मित्रवत पड़ोसी और सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में भारत आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता कालिदास धौवजी ने बताया कि पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है। एनडीआरआरएमए द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि मानसून काउंटर कमांड पोस्ट के निर्णय के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच में रुकी आपातकालीन सेवाओं, माल परिवहन, यात्री वाहनों और छोटी दूरी के वाहनों को स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सड़कों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपने गंतव्य की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।

मोटी-मोटी बातें

यूक्रेन पर रूस के हमले में 5 लोगों की मौत, बैलिस्टिक मिसाइल और 500 ड्रोन दागे

कीवः रूस द्वारा शनिवार को रात भर यूक्रेन पर ड्रोन, मिसाइल और बम दागे जाने से कम से कम 5 नागरिकों की मौत हो गई। यह एक बड़ा हमला था, जिसमें नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह बताया कि मॉस्को ने यूक्रेन के 9 क्षेत्रों में 50 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल और लगभग 500 ड्रोन दागे। क्षेत्रीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, ल्वीव पर ड्रोन और मिसाइल हमले में 4 लोगों की मौत हो गई।

आपातकालीन सेवा ने बताया कि कम से कम 4 अन्य लोग घायल हुए हैं। ल्वीव के महापौर एंड्री सदोवी ने बताया कि हमले के कारण रविवार तड़के दो जिलों में बिजली गुल हो गई। सार्वजनिक परिवहन कुछ घंटों के लिए बाधित रहा।

हमले के कारण ल्वीव के बाहरी इलाके में एक व्यावसायिक परिसर में आग भी लग गई। जपोरिज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि इस दक्षिणी शहर में रात के समय हुए हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए।

मध्य प्रदेश में 'कफ सिरप' के कारण 14 बच्चों की मौत, डॉक्टर गिरफ्तार

नयी दिल्लीः छिंदवाड़ा में संदिग्ध रूप से गुर्दों के काम करना बंद कर देने के कारण 14 बच्चों की मौत होने के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है और ''जहरीले'' 'कफ सिरप' की निर्माता कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

मध्य प्रदेश सरकार ने 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि दवा के नमूनों में अत्यधिक जहरीला पदार्थ पाया गया है। जिन बच्चों की मौत हुई है उनमें से दो छिंदवाड़ा शहर से, एक चौरई तहसील से और 11 परासिया उप-संभाग से थे।

पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने संवाददाताओं को बताया कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स, कांचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ को परासिया में 11 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी और डॉ. प्रवीण सोनी के खिलाफ परासिया पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि डॉ. सोनी यहां सरकारी चिकित्सक होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक चलाते थे और उन्होंने सिरप लेने का परामर्श दिया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोतवाली पुलिस की एक विशेष टीम ने डॉ. सोनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शनिवार देर रात छिंदवाड़ा के राजपाल चौक से उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, ''चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने लापरवाही भरा रवैया दिखाया और लगभग एक महीने तक बच्चों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बाद भी दवा लिख दी।'' पांडे ने 'भाषा' को बताया कि सिरप की आपूर्ति करने के लिए निर्माता कंपनी पर भी जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक आदेश में कहा, ''मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर छिंदवाड़ा जिले के परासिया में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।'' आदेश में कहा गया है कि सोनी को जबलपुर में स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय से संबद्ध किया गया है। मुख्यमंत्री यादव ने शनिवार देर रात कहा था कि राज्य सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और मौतों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कंपनी एवं चिकित्सक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 276 (औषधियों में मिलावट), धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 27 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रंप प्रशासन को US कोर्ट का झटका, अवैध प्रवासी बच्चों को वयस्क केंद्र में भेजने के आदेश पर लगाई रोक

अटलांटा/पोर्टलैंड– अवैध रूप से अमेरिका में आए बच्चों के 18 वर्ष की उम्र पूरी करने पर उन्हें वयस्कों के लिए बने हिरासत केंद्रों में स्थानांतरित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नयी नीति पर एक संघीय न्यायाधीश ने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

वकीलों के अनुसार, यह स्थानांतरण इस सप्ताहांत होने वाला था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश रूडोल्फ कोंट्रेरास ने शनिवार को अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग (आईसीई) के लिए एक अस्थायी आदेश जारी करते हुए कहा कि वह अकेले एवं बिना अनुमति के देश में आए किसी भी बच्चे को वयस्क होने के बाद आईसीई वयस्क हिरासत केंद्रों में न रखे।

वाशिंगटन डीसी के न्यायाधीश ने कहा कि इस तरह की स्वचालित हिरासत 2021 में जारी किए गए उनके उस अदालती आदेश का उल्लंघन है जिसमें इस चलन पर रोक लगाई गई थी।

आईसीई और अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस मामले में प्रतिक्रिया मांगने संबंधी ईमेल का तत्काल जवाब नहीं दिया। एसोसिएटेड प्रेस ने शुक्रवार को बताया कि अधिकारी 14 साल और उससे ज्यादा उम्र के प्रवासी बच्चों को स्वेच्छा से अपने देश लौटने के लिए 2,500 अमेरिकी डॉलर की पेशकश कर रहे हैं। पिछले महीने एक अन्य संघीय न्यायाधीश ने अकेले अमेरिका आए ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तुरंत उनके देश वापस भेजने के प्रयासों पर रोक लगा दी थी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को पंजाब की महान विरासत से परिचित कराने के लिए शिक्षकों को अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया

श्री आनंदपुर साहिब में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रतिभाशाली एवं होनहार शिक्षकों का सम्मान

हिन्द जनपथ

श्री आनंदपुर साहिब(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवा पीढ़ी को पंजाब की गौरवशाली विरासत से परिचित कराने में अग्रणी भूमिका निभाएं।

आज यहां विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं और उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से युवाओं को परिचित कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि 55 वर्षों के बाद राज्य सरकार ने आज श्री आनंदपुर साहिब में तख्त श्री केसगढ़ साहिब तक जाने वाले विरासत मार्ग के निर्माण कार्य की शुरुआत की है।

अध्यापक दिवस का जिक्र करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षण कोई पेशा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने का एक मिशन है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के पुत्र होने के नाते वे भलीभांति जानते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कितनी मेहनत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में आई बाढ़ में 3200 सरकारी स्कूल और 19 कॉलेज नष्ट हो गए, 8500 किलोमीटर सड़कें और 2500 पुल तबाह हो गए। 5 लाख एकड़ फसलें भी नष्ट हो गईं, लेकिन पंजाब के लोगों ने इस प्राकृतिक आपदा से उबरने में अद्भुत साहस दिखाया। भगवंत सिंह मान ने प्राकृतिक आपदा के दौरान अच्छा काम करने वाले अध्यापकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी उदाहरणें विश्व इतिहास में बहुत कम मिलती है।

सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान कर हम राष्ट्र निर्माता के रूप में उनकी भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में गुरु शब्द एक शिक्षक के लिए इस्तेमाल होता था क्योंकि यह दो संस्कृत शब्दों 'गु' (अंधेरा) और 'रू' (हटाने वाला) से आया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरु का अर्थ है अंधेरे को दूर करने वाला। दूसरे शब्दों में एक शिक्षक का फर्ज अपने विद्यार्थियों के मन को ज्ञान की रोशनी से रोशन करना होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक शिक्षक विद्यार्थी के दिमाग को डॉक्टर, इंजीनियर और कलाकार के लिए उसी तरह ढालता है, जैसे एक मूर्तिकार अपनी कलाकृतियों को आकार देता है। उन्होंने कहा कि आज राज्य सरकार विभिन्न श्रेणियों के अधीन 71 शिक्षकों को बच्चों के भविष्य को रोशन बनाने में उनके शानदार योगदान के लिए राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज पंजाब के सरकारी स्कूलों के शिक्षक विश्व स्तर की शिक्षा प्राप्त शिक्षक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 234 प्रिंसिपलों और शिक्षा अधिकारियों ने सिंगापुर में विश्व स्तर की शिक्षा प्राप्त की है, 152 मुख्य शिक्षकों ने आई.आई.एम. अहमदाबाद में एडवांस्ड कोचिंग प्राप्त की है और 144 प्राइमरी शिक्षकों ने फिनलैंड की तुर्कू यूनिवर्सिटी में विशेष शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का अगला बैच नवंबर महीने में शिक्षा के लिए फिनलैंड जाएगा, इससे शिक्षकों की महारत को और निखारने में मदद मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षकों को अपने मूल फर्जों पर ध्यान केंद्रित करने के योग्य बनाने के लिए 1920 कैंपस मैनेजर नियुक्त किए गए हैं।

राजिंदर गुप्ता होंगे पंजाब में AAP के राज्यसभा उपचुनाव में उम्मीदवार, 24 को होगा मतदान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के प्रमुख उद्योगपति और ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता को आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (PAC) ने उनके नाम की औपचारिक घोषणा की। यह उपचुनाव 24 अक्तूबर को होगा।

आप की ओर से एक्स पर जारी पोस्ट में कहा गया कि पार्टी ने गुप्ता को राज्यसभा की एकमात्र रिक्त सीट के लिए प्रत्याशी नामित किया है। वे आने वाले सप्ताह में नामांकन दाखिल करेंगे। गुप्ता ने शुक्रवार को अपने दोनों पदों राज्य आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष और श्री काली देवी सलाहकार समिति (पटियाला) के चेयरमैन से इस्तीफा दे दिया था।

राजिंदर गुप्ता लंबे समय से पंजाब की नौकरशाही और राजनीतिक हलकों में प्रभावशाली नाम रहे हैं। उन्हें 2022 में आप सरकार ने योजना बोर्ड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया था, जबकि इस वर्ष अगस्त में उन्हें काली देवी मंदिर सलाहकार समिति का प्रमुख बनाया गया था। इससे पहले भी वे कांग्रेस और अकाली-भाजपा सरकारों के दौरान योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष/डिप्टी चेयरमैन रह चुके हैं। उन्हें कई बार कैबिनेट मंत्री स्तर का दर्जा भी दिया गया है।

117 सदस्यीय पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी के पास 93 विधायक हैं। ऐसे में गुप्ता की जीत लगभग तय मानी जा रही है, क्योंकि राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए केवल 60 मतों की आवश्यकता होती है। हालांकि राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि पंजाब एक बार फिर अपनी "निर्विरोध राज्यसभा चुनाव" की परंपरा को बरकरार रख सकता है।

यह सीट उस समय खाली हुई थी जब राज्यसभा सदस्य संजय अरोड़ा ने इस वर्ष की शुरुआत में लुधियाना वेस्ट विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। अरोड़ा उपचुनाव जीतने के बाद भगवंत मान मंत्रिमंडल में मंत्री बनाए गए।

आयोग ने बिहार में काटे 38 लाख मतदाताओं के नाम : कांग्रेस

नयी दिल्ली– कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने मोदी सरकार के इशारे पर बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर 38 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए हैं। इससे 23 लाख महिलाएं और 15 लाख पुरुष वोट देने के अधिकार से वंचित हो गए हैं।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं लेकिन करीब 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।अब ये महिलाएं आगामी विधानसभा चुनावों में वोट नहीं दे पाएंगी।

सुश्री लांबा ने कहा कि राज्य के जिन छह जिलों में लाखों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनमें गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, भोजपुर और पूर्णिया विधानसभा शामिल हैं। इन छह जिलों में करीब 60 विधानसभा सीटें आती हैं। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का आंकड़ा देखें तो यहां इंडिया गठबंधन ने 25 सीटें जीती थीं। अब मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर इन्हीं सीटों पर भारी फर्जीवाड़ा किया गया है।

कांग्रेस नेत्री ने कहा कि पार्टी पूरे देश में इसी 'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस हस्ताक्षर अभियान चला रही है, जिसमें पांच करोड़ हस्ताक्षर जुटाये जाएंगे।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने पर सवाल करते हुए कहा कि जब इन्हीं महिलाओं ने बीते साल लोकसभा चुनाव में वोट डाले थे, तो क्या तब भी ये वोट फर्जी थे। क्या इन्हीं फर्जी वोट से सांसद बने, पूरी सरकार बनी। अंतिम समय में नाम जोड़ने और काटने की जो साजिश चल रही है और अब इसका पर्दाफाश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जाएंगे जापान दौरे पर, विकसित भारत - विकसित हरियाणा की दिशा में बड़ा कदम

3 दिवसीय यात्रा के दौरान जापानी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधियों से भी होंगी महत्वपूर्ण बैठकें

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी राज्य में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय औद्योगिक संबंधों को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान के दौरे पर रहेंगे। यह दौरा विकसित भारत - विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री का यह दौरा हरियाणा को वैश्विक निवेश, तकनीकी सहयोग और नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, और हरियाणा इस अभियान का अग्रदूत बनकर विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लक्ष्य को मजबूत आधार दे रहा है।

हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग होगा और मजबूत

मुख्यमंत्री के 6 से 8 अक्टूबर 2025 तक तीन दिवसीय दौरे का उद्देश्य हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत करना है। इस दौरान मुख्यमंत्री जापानी निवेश को आकर्षित करने, हरियाणा को एक प्रमुख वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने और तकनीकी व विनिर्माण क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने की दिशा में निवेशकों से रोडमैप साझा करेंगे।

मुख्यमंत्री 6 अक्टूबर की सुबह टोक्यो पहुंचेंगे और अपनी आधिकारिक गतिविधियों की शुरुआत जापान के विदेश मंत्रालय तथा अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय में उच्चस्तरीय बैठकों से करेंगे। वे जापान के विदेश राज्य मंत्री श्री मियाजी ताकुमा और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री कोगा यूइचिरो से मुलाकात कर व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा करेंगे।

दोपहर में मुख्यमंत्री टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वे इस दौरान जेईटीआरओ (JETRO), एआईएसआईएन (AISIN), एयर वाटर (Air Water), टीएएसआई (TASI), नाम्बू (NAMBU), डेंसो (DENSO), सोजिट्ज़ (SOJITZ), निसिन फूड्स (Nissin Foods), कावाकिन होल्डिंग्स (Kawakin Holdings), सुमितोमो कॉर्पोरेशन (Sumitomo Corporation) और टोप्पन (Toppan) जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री शिमाने प्रिफेक्चर के गवर्नर से भी औपचारिक भेंट करेंगे। उसी शाम भारतीय दूतावास में आयोजित 'गीता महोत्सव' के सामुदायिक कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री भाग लेंगे।

वहीं, 7 अक्तूबर को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शिंकानसेन (बुलेट ट्रेन) के माध्यम से ओसाका पहुंचेंगे, जहां वे वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भाग लेंगे। वे हरियाणा स्टेट जोन का उद्घाटन करेंगे और जापान के मेयरों एवं व्यावसायिक नेताओं से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री प्रमुख जापानी कंपनियों क्योसेरा (Kyocera), मिनेबेया मित्सुमी (Minebea Mitsumi), मित्सुई किंज़ोकु कंपोनेंट्स (Mitsui Kinzoku Components), होरिबा लिमिटेड (Horiba Ltd.) और Semiconductor Equipment Association of Japan के नेतृत्व से भी भेंट करेंगे। शाम को वे ओसाका में आयोजित निवेश रोड शो में भाग लेकर हरियाणा के औद्योगिक इकोसिस्टम को प्रस्तुत करेंगे और जापानी निवेशकों को राज्य में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित करेंगे।

8 अक्तूबर को मुख्यमंत्री सुजुकी (Suzuki) के उच्च स्तरीय प्रबंधन से मुलाकात करेंगे और उसके बाद ओसाका स्थित कुबोटा (Kubota) संयंत्र का दौरा कर उन्नत विनिर्माण तकनीकों पर चर्चा करेंगे। ओसाका प्रिफेक्चर के गवर्नर के साथ भी बैठक आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश से हाहाकार, दार्जिलिंग में पुल ढहा; 6 की मौत

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश की वजह से भूस्खलन में कम से कम 6 लोगों की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक भूस्खलन की वजह से एक लोहे का पुल ढह गया। मूसलाधार बारिश और भूस्खलन की वजह से कई गांवों से संपर्क टूट गया है। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची हैं और मलबा हटा रही हैं। जानकारी के मुताबिक यह लोहे का पुल जिसे धूदिया आयरन ब्रिज के नाम से जानते हैं, मिरिक और कुरसियोंग को जोड़ता है। भारी बारिश के चलते यहां हाल यह है कि सड़कें मलबे और कीचड़ से पट गई हैं। मौसम विभाग ने दार्जिलिंग, कूच बेहार, कालिंपोंग, जलपाइगुड़ी और अलीपुरद्वार में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम बंगाल में उप-हिमालयी क्षेत्रों में सोमवार तक भारी बारिश जारी रहेगी। भारी बारिश के चलते जलपाइगुड़ी का मालबाजार पानी में ही डूब गया। तीस्ता, माल और अन्य पहाड़ी नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम झारखंड के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र पूर्व-पश्चिम यानी बिहार की ओर बढ़ सकता है। कालिम्पोंग जिले में भी भारी बारिश की वजह से स्थिति गंभीर है। यहां पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। सिलीगुड़ी और सिक्किम को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग 717ई पर भूस्खलन की वजह से मलबा जमा हो गया है और यातायात रुक गयाहै। पेडोंग और ऋषिखोला के बीच भूस्खलन की वजह से यातायात ठप है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला की तबीयत बिगड़ी

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारुख अब्दुल्ला की तबीयत बिगड़ कई है। पार्टी नेताओं के मुताबिक 87 वर्षीय नेता की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी। इसके बाद शनिवार को उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब्दुल्ला के इस सप्ताह की शुरुआत में पेट के संक्रमण हो गया था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि यहां पर उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। इसके बाद शनिवार को उन्होंने श्रीनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पार्टी नेताओं के मुताबिक अब उनकी तबीयत में सुधार हो रहा है। उन्हें जल्दी ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पिता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला का एक लंबा राजनैतिक अनुभव है। तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री का पद संभाला है। पिता शेख अब्दुल्ला के नक्शे कदम पर चलते हुए राजनीति में आए फारुख ने उनकी विरासत को बखूबी संभाला।

झारखंड में लड़कियों से रेप, 8 आरोपी गिरफ्तार; 4 नाबालिग

दुमका, एजेंसी। झारखंड में शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के दुमका जिले में एक लड़की के साथ रेप और एक अन्य का यौन्य उत्पीड़न किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार रात रानेश्वर थाना क्षेत्र के एक गांव में उस समय हुई जब दोनों एक मेले से घर लौट रही थीं।

प्रदेश सरकार ने किसानों से खरीदा प्राकृतिक खेती पदद्धि से उत्पादित 2,123 क्विंटल गेहूं

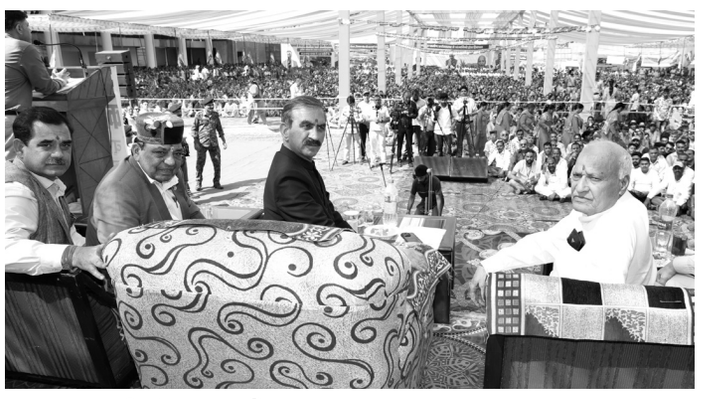

- पांगी में प्राकृतिक रूप से उगाए गए जौ की खरीद 8 अक्तूबर से शुरू करेगी प्रदेश सरकार
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दुग्ध प्रोत्साहन और परिवहन अनुदान योजना शुरू

शिमला। चंबा जिला के पांगी क्षेत्र के लोगों से मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा किया गया वायदा जल्द ही पूरा होने वाला है। प्रदेश सरकार 8 अक्तूबर से पांगी में प्राकृतिक रूप से उगाए गए जौ की खरीद शुरू करेगी, इससे प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश सरकार सरकार द्वारा जौ के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है। दूरदराज क्षेत्र पांगी में पहली बार सरकार द्वारा समर्थित इस तरह का खरीद अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, स्थानीय किसान भी इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा खरीद की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अभी तक इस घाटी में हुड़ान, सेचु, सुराल, किलाड़ और साच में पांच खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। पांगी क्षेत्र के 80 किसानों ने इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विभाग में पंजीकरण करवाया है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इसके तहत प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं की खरीद पूरे प्रदेश में पूरी कर ली गई है। 22 खरीद केंद्रों पर 838 किसानों से कुल 2,123.587 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। गेहूं को आटे और दलिया में संसाधित किया जा रहा है और 'हिम-भोग' ब्रांड के तहत इसकी बिक्री की जाएगी। किसानों को उनकी फसल के लिए 1.27 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसके अतिरिक्त 4.15 लाख रुपये का भुगतान परिवहन सब्सिडी के रूप में किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय कर प्राकृतिक रूप से उगाई गई उपज को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी के तहत गेहूं के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्का के लिए 40 रुपये, कच्ची हल्दी के लिए 90 रुपये और जौ के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है। यह पहल उपभोक्ताओं के लिए न केवल रसायन मुक्त उत्पाद बल्कि प्राकृतिक तरीके से खेती कर रहे किसानों को उत्पाद की बेहतर कीमत भी प्राप्त हो रही है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और ग्रामीणों के हाथों में सीधे पैसा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सरकार ने सोलन जिला के अर्की विधानसभा क्षेत्र से दो नई पहल दुग्ध प्रोत्साहन योजना और परिवहन अनुदान योजना शुरू की हैं। दुग्ध प्रोत्साहन योजना के तहत पंजीकृत दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े किसानों को 3 रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि और परिवहन अनुदान योजना के तहत निजी दुग्ध समितियों को भी दूध संग्रहण और परिवहन के लिए 3 रुपये प्रति लीटर वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

ई-केवाईसी होने से पात्र परिवारों को मिल रहा सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ

- मार्च, 2025 तक 97 फीसदी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण
- तकनीक के जरिए दक्षतापूर्ण और पारदर्शी बनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने ई-केवाईसी प्रक्रिया को अपनाकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को और अधिक दक्षतापूर्ण और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत आधार कार्ड नंबर को राशन कार्ड से लिंक किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल पात्र लोगों को ही मिले। ई-केवाईसी होने से फर्जी या अपात्र लोगों को पीडीएस से बाहर करने और पात्र परिवारों को सब्सिडी युक्त अनाज और अन्य लाभ पहुंचाने में मदद मिल रही है। ई-केवाईसी प्रक्रिया मई, 2022 में शुरू हुई और पूरे प्रदेश में संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने में इसकी अहम भूमिका है। मई, 2022 से जनवरी, 2023 तक, करीब 60 फीसदी पीडीएस लाभार्थियों ने उचित मूल्य की दुकानों पर अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करवाई।

प्रदेश के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने खुद का ई-केवाईसी एप्लिकेशन जुलाई, 2023 में लॉन्च किया। इससे लाभार्थियों के लिए उचित मूल्य की दुकानों पर आधार द्वारा फिंगरप्रिंट सत्यापन का इस्तेमाल करके ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना सुगम हो गया। जुलाई, 2023 से जुलाई, 2024 तक ई-केवाईसी करवाने वालों की संख्या 77 फीसदी हो गई। हालांकि, दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कई लोगों को उचित मूल्य की दुकानों तक पहुंचने में असुविधा या सत्यापन के दौरान फिंगरप्रिंट का मिलान न होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

इसके समाधान के लिए प्रदेश सरकार ने एक मोबाइल ऐप लॉन्च की, ताकि लाभार्थी आधार द्वारा चेहरे की पहचान के माध्यम से ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकें। इससे दुर्गम क्षेत्रों में रह रहे परिवारों के लिए यह प्रक्रिया सरल हो गई क्योंकि उन्हें अब उचित मूल्य की दुकानों पर जाने की जरूरत नहीं रही। चेहरे से सत्यापन की सुविधा शुरू होने से ई-केवाईसी की दर जुलाई, 2024 में 77 फीसदी से बढ़कर मार्च, 2025 तक 97 फीसदी हो गई है। आधार सत्यापन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पूरी तरह से रूपांतरित कर दिया है। इससे पात्र परिवारों की पहचान हुई, साथ ही प्रतिलिपिकरण (डुप्लीकेशन) को हटाने और प्रक्रिया को गतिशील व अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिली। ई-केवाईसी और चेहरे से सत्यापन की सफलता दर्शाती है कि तकनीक के माध्यम से हर संसाधन का बेहतर तरीके से इस्तेमाल और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाया जा सकता है।

उद्धव गुट ने दी मान हानि केस की धमकी

मुंबई , एजेंसी। शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की मृत्यु और उसकी घोषणा को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। शिवसेना शिंदे गुट के नेता राम कदम द्वारा उद्धव ठाकरे पर लगाए गए आरोपों के बाद उद्धव गुट ने पलटवार किया है। यूबीटी गुट ने राम कदम द्वारा बाल ठाकरे के पार्थिव शरीर को लेकर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताया। इतना ही नहीं गुट ने कहा कि बाल ठाकरे के खिलाफ ऐसे झूठे दावों को लेकर उनकी पार्टी राम कदम के खिलाफ मान हानि का मुकदमा करेगी।

इस मामले को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कि वह अपने देवता बाल साहेब ठाकरे के बारे में ऐसे झूठे दावे नहीं सुन सकते। पार्टी राम कदम के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाएगी। परब ने कहा, राम कदम की तरफ से लगाए गए इन आरोपों का मुख्य उद्देश्य उद्धव ठाकरे को लेकर लोगों के मन में जहर घोलना है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को यह पता है कि उनकी पार्टी बीएमसी चुनाव नहीं जीत सकते। इसलिए वह ऐसी हरकते कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राम कदम द्वारा लगाए गए आरोप केवल और केलव महाराष्ट्र के मौजूदा मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हैं। परब यहीं नहीं रुके उन्होंने राम कदम के खिलाफ निजी हमला बोलते हुए कहा कि सरकार को इस बात का भी पता लगाना चाहिए कि आखिर कैसे 1993 में उनकी पत्नी जल गई थीं। इसके लिए रामकदम का नार्को टेस्ट करवाना चाहिए। परब के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए राम कदम ने कहा कि वह बाल साहेब ठाकरे की मौत को लेकर सीबीआई जांच की मांग करेंगे और उसके लिए सीएम फडणवीस को पत्र भी लिखेंगे। इसी बीच, राम कदम ने स्पष्ट किया कि 1993 में उनकी पत्नी खेड में चूल्हे पर खाना बनाते हुए झुलस गई थीं।

कजलोट में हर्षोल्लास के साथ मनाई वाल्मीकि जयंती

उप मुख्य सचेतक मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

धर्मशाला। कजलोट में आयोजित वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने विधिवत पूजा के बाद अपने संबोधन में कहा कि महर्षि बाल्मीकि भारतीय साहित्य के महान कवि और रामायण के रचयिता थे। उनके जीवन की अनेक प्रेरणात्मक विशेषताएं हैं जिनका अनुसरण कर हम आज भी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उप मुख्य सचेतक ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन में कठिनाइयों और गलतियों के बावजूद परिवर्तन संभव है तथा किसी भी व्यक्ति में सुधार की संभावना होती है। उन्होंने कहा कि बाल्मीकि जी ने कठिन साधना और तप से आत्मज्ञान प्राप्त किया जो हमें सिखाता है कि धैर्य और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। क्योंकि बाल्मीकि जी ने साहित्य के माध्यम से मानवता, नैतिकता और धर्म का संदेश दिया जो हमें यह दर्शाता है कि कला और लेखन समाज को जागरूक कर सकते हैं। उनके कार्यों से हमें सत्य और धर्म का पालन करने की प्रेरणा भी मिलती है जोकि मनुष्य जीवन का मूल सिद्धांत है। उनके जीवन से हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और दूसरों की भलाई के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कोर कमेटी के सदस्य द्वारा मुख्यतिथि उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया को शॉल टोपी व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में दिग्विजय मल्होत्रा सदस्य हिमाचल प्रदेश एससी कमिशन भी मौजूद रहे।इस अवसर पर अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग सुमित कतोच, सहायक अभियंता जल शक्ति पंकज चौधरी, जिला अध्यक्ष श्री महेंद्र पाल कोर कमेटी सदस्य कमल, चरणजीत, वुधनाथ ,राज कुमार,अश्वनी ,रत्न हंस, सभापति राज पाल कटारिया ,सयोजक रेखा लहोखी ,महिला अध्यक्ष सन्तोष कुमारी , युवा अध्यक्ष भानु भाटिया,जिला प्रभारी अनिल शोन्तरा , वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजिंदर मुन्ना,मुख्य सलाहकार रत्न मल्होत्रा,उपाध्यक्ष सजीव सहोता,महासचिव सतपाल ,सयुक्त सचिव रविन्द्र गिल , सह सचिव सजीव थापर ,सलाहकार जगदीश सिंधिया ,अमर नाथ ,सहित कई विभागीय अधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित थे।

यूपी के कारोबारी को छत्तीसगढ़ में बंधक बनाकर सवा करोड़ की चांदी लूटी, नशीली दवा सुंघाई

आगरा/रायपुर , एजेंसी। आगरा के चांदी कारोबारी राहुल गोयल को छत्तीसगढ़ के रायपुर में बंधक बनाकर 86 किलो चांदी के जेवर लूट लिए गए। इनकी कीमत करीब सवा करोड़ बताई गई है। दो नकाबपोश लुटेरों ने शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात करीब तीन बजे वारदात की। बदमाशों ने कारोबारी का नाम लेकर दरवाजा खटखटाया। कारोबारी ने जब दरवाजा खोला तो लुटेरों ने तमंचा तान दिया। उसके मुंह पर नशीला रुमाल रख दिया और कारोबारी को कमरे के भीतर ले जाकर रस्सी से बांध दिया।

लुटेरों ने जेवर दो बैग में भरे और बालकनी से रस्सी के सहारे नीचे उतरकर भाग गए। लुटेरे सीसीटीवी की डीवीआर भी साथ ले गए। सुबह 10 बजे कारोबारी को होश आया तो किसी तरह हाथ खोलकर पड़ोसी के घर गए और घटना की जानकारी दी। राहुल मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है। वह आगरा की एक कंपनी के सीएफए के रूप में चांदी के जेवर लेकर रायपुर जाता रहता है। उसने सदर बाजार जैन मंदिर के पीछे राजधानी पैलेस में एक फ्लैट किराए पर लिया है। दीपावली के लिए वह बड़ी मात्रा में चांदी के जेवर लेकर रायपुर गया था।

24 किलो चांदी की बिक्री हो चुकी थी, जबकि 86 किलो चांदी का ऑर्डर बाकी था। बाकी उसने आगरा वापस भेज दिया था। वह ऑर्डर पर माल पहुंचाने वाला था, उससे पहली वारदात हो गई। उसने आगरा में अपनी फर्म को सूचित किया। अलीगढ़ में अपने परिवार वालों को भी जानकारी दी। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने मीडिया को बताया कि आगरा का व्यापारी रायपुर के सदर बाजार में जेवर बेचता था। सुबह उन्हें घटना की जानकारी मिली। लूट की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंची। अपार्टमेंट और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लेकिन शनिवार देर शाम तक कोई फुटेज नहीं मिला। डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंची। खोजी कुत्ता एक ही जगह घूमता रहा और फिर भटक गया। पुलिस अधिकारी घटना को लेकर संशय जता रहे हैं। कारोबारी द्वारा बताए गए घटनाक्रम और कोई फुटेज न मिलने पर जांच टीम को संदेह हो रहा है। पुलिस फिलहाल बारीकी से जांच कर रही है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, पत्नी ने दायर की थी याचिका

लद्दाख , एजेंसी। लद्दाख में जारी आंदोलन के प्रमुख चेहरे सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर अब सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमों ने अपने पति की गिरफ्तारी को पूरी तरह से गैरकानूनी बताया है और उनकी तत्काल रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है। लद्दाख में हुई हिंसा के बाद सोनम को एनएसए के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था, इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है।

कोर्ट में दायर याचिका में गीतांजलि ने आरोप लगाया कि वांगचुक की गिरफ्तारी पूरी तरह से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उन्हें एक सप्ताह से ज्यादा समय से अपने पति की स्थिति का कोई पता नहीं है। न तो पुलिस प्रशासन और न ही स्थानीय अधिकारी इस बारे में कोई जानकारी दे रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि माननीय कोर्ट तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करके सोनम वांगचुक को अदालत के समक्ष पेश करने का आदेश जारी करे, ताकि उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

आपको बता दें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जारी आंदोलन के दौरान 24 सितंबर को जबरदस्त हिंसा हुई थी। इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग और पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। इस दौरान सोनम वांगचुक हड़ताल पर बैठे हुए थे। प्रशासन ने सोनम वांगचुक के ऊपर लोगों को भड़काने और बरगलाने का आरोप लगाते हुए उनके ऊपर एनएसए लगा दिया और 26 सितंबर को उन्हें गिरफ्तार करके राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

सरकारी पॉलिटेक्निक, हमीरपुर में 9 अक्तूबर को आयोजित होगी ओवरसीज भर्ती ड्राइव

शिमला। राज्य के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए हिमाचल सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जिला हमीरपुर में 9 अक्तूबर, 2025 को सरकारी पॉलिटेक्निक, हमीरपुर में एक विशेष ओवरसीज भर्ती ड्राइव आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

यह भर्ती अभियान हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचपीएसईडीसी) द्वारा श्रम एवं रोजगार विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग तथा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से पंजीकृत भर्ती एजेंसी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ड्राइव के माध्यम से तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों में विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। विदेश मंत्रालय और पंजीकृत एजेंसी के माध्यम से पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जिससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। पंजीकरण, पात्रता मानदंड तथा आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित विस्तृत जानकारी शीघ्र ही रोजगार कार्यालयों, उनकी सोशल मीडिया पेजों तथा हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवेलपमेंट कार्पोरेशन की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

झारखंड में बदला नियम, अब 30 दिनों के अंदर स्वतः पास हो जाएगा घर का नक्शा

रांची , एजेंसी। झारखंड में भवन निर्माण के नक्शे के आए आवेदन को 30 दिनों के भीतर स्वीकृत करना आवश्यक होगा। सक्षम पदाधिकारी अगर आवेदन को लिखित में कोई कारण बताए 30 दिनों के भीतर निपटारा करने में विफल रहते हैं, तो नक्शा स्वत- स्वीकृत माना जाएगा। दरअसल, सभी शहरी स्थानीय निकाय, आरआरडीए और धनबाद स्थित खनिज क्षेत्र के विकास प्राधिकार को द झारखंड बिल्डिंग बायलॉज-2016 (जेबीबीएल-2016) के खंड 10 के उपखंड 10.6 में संशोधित प्रावधानों का पालन करना बाध्यकारी होगा। इसे लेकर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने बीते 15 सितंबर को आदेश जारी किया है। निदेशालय ने बताया है कि इस आदेश पर नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव का अनुमोदन प्राप्त है। विभाग का मानना है कि इस आदेश से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। समयबद्ध योजनाओं की स्वीकृति मिल सकेगी। साथ ही यह कदम शहरी विकास को गति देने और आम लोगों को अनावश्यक देरी से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा। बीते 18 अगस्त को झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम और आरआरडीए में नक्शा स्वीकृति में देरी और वसूली के मामले में स्वत- संज्ञान लेकर दर्ज याचिका पर सुनवाई कर आदेश पारित किया था। यह आदेश जेबीबीएल-2016 के संशोधित प्रावधानों से संबंधित है।

आवश्यक सूचना

बाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

बलजीत सिंह महाराणा प्रताप प्रखंड के अध्यक्ष नियुक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद, मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी, चण्डीगढ़ द्वारा शस्त्र पूजा का कार्यक्रम शिव मानस मंदिर, फेस 2, इंडस्ट्रियल एरिया में रखा गया। शस्त्र पूजन के तत्पश्चात संगठन विस्तार करते हुए महाराणा प्रताप प्रखंड में चंडीगढ़ पुलिस के पूर्व इंस्पेक्टर बलजीत सिंह को सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना गया। इस कार्यक्रम में विभाग मंत्री प्रदीप शर्मा, पंजाब प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश राणा, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख डॉ संदीप कौर संधू, उपाध्यक्ष रेनू रोहिल्ला, दविंदर सिद्धू, राकेश चौधरी, मंत्री अंकुश गुप्ता, सह मंत्री पंकज शर्मा एवं विश्वकर्मा प्रखंड मंत्री और रोहित राय उपस्थित रहे।

मोहाली पुलिस ने अवैध आव्रजन एजेंटों पर शिकंजा कसा - 11 प्राथमिकी दर्ज, 1.15 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

हिन्द जनपथ
एसएएस नगर(ब्यूरो)। अनधिकृत आव्रजन गतिविधियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, मोहाली पुलिस ने बिना वैध लाइसेंस के काम कर रहे अवैध आव्रजन एजेंटों और एजेंसियों के खिलाफ 11 प्राथमिकी दर्ज की हैं।

एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस, आईपीएस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई डीएसपी (जांच) जतिंदर सिंह चौहान की देखरेख में और मानव तस्करी निरोधक इकाई के प्रभारी इंस्पेक्टर जसकमल सिंह सेखों के नेतृत्व में की गई। एसएसपी मोहाली ने बताया कि इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप, ऐसे एजेंटों/एजेंसियों के खिलाफ 11 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं जो लोगों को विदेश भेजने के बहाने धोखाधड़ी कर रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में की गई जाँच के दौरान, एसएएस नगर में बिना वैध लाइसेंस के काम कर रहे कई अनधिकृत आव्रजन सलाहकारों और संस्थानों के नाम सामने आए हैं। इन संस्थाओं पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं; धारा 316(2), 318(4), 61(2) और आव्रजन अधिनियम की धारा 24 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पता चला कि कुल धोखाधड़ी लगभग 1.15 करोड़ रुपये की है, जिसमें कई निर्दोष नागरिकों और विदेश जाने के इच्छुक छात्रों को ठगा गया है। इसमें शामिल पाए गए कुछ प्रमुख एजेंटों/एजेंसियों में नेक्सस अकादमी, वीआईपी रोड, ज़ीरकपुर (आईईएलटीएस/पीटीई), बेस्ट ट्रैवल एजेंसी, रॉयल गेटवे ऑफ माइग्रेशन, एससीओ 17, प्रथम तल, फेज-1, मोहाली, एससीएफ 1, प्रथम तल, फेज-5, मोहाली और एससीओ 523-524, एसएएस नगर शामिल हैं।

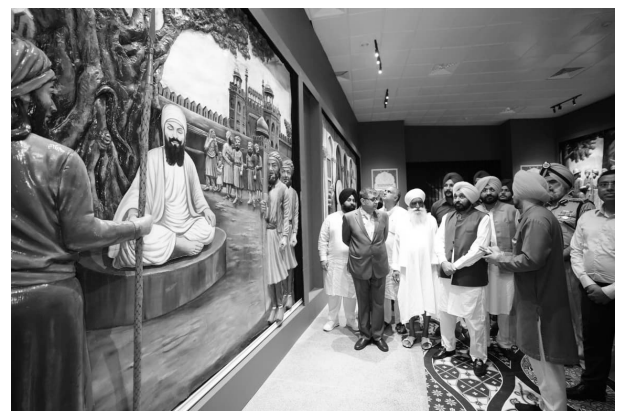

एसएसपी हंस ने कहा कि मोहाली पुलिस ने ये एफआईआर दर्ज करके और सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू करके नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने जिले के निवासियों से अपील की कि वे आव्रजन के लिए केवल कानूनी तरीके अपनाएँ और अनधिकृत एजेंटों से सावधान रहें। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे किसी भी संदिग्ध या धोखाधड़ी वाली आव्रजन गतिविधियों की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

इटली का चश्मा डाल विदेशी टूलकिट के तहत नागिन डांस करने वाले जननायक नहीं हो सकते : तरुण चुग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता, जिन्हें जनता ने बार-बार नकारा है, कभी भी भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जैसे सच्चे जननायकों की विरासत पर दावा नहीं कर सकते। चुग ने तंज कसते हुए कहा कि इटली का चश्मा लगाकर विदेशी टूलकिट के इशारों पर नागिन डांस करने वाले राहुल गाँधी जैसे नेताओं को जनता ने पहले भी नकारा है और आगे भी नकारती रहेगी।

चुग ने कहा कि 'जननायक' की उपाधि जनता ने कर्पूरी ठाकुर जी को दी थी। यह उपाधि न कांग्रेस की संपत्ति है और न ही किसी खानदान की जागीर। उन्होंने जोड़ा कि बार-बार जनता द्वारा नकारे गए राहुल गांधी विदेशी टूलकिट के नायक तो हो सकते हैं, लेकिन कभी भी देश के जननायक नहीं हो सकते।

चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए जो योजनाएँ शुरू कीं, जो अवसर दिए, वही असली जनसेवा है और यही कर्पूरी ठाकुर जी की विचारधारा और उनकी विरासत का सम्मान है। इसके उलट कांग्रेस और आरजेडी सिर्फ परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति में फंसे हुए हैं।

तरुण चुग ने कहा कि कांग्रेस नेताओं की बौखलाहट साफ है। असल सच्चाई यह है कि जनता ही तय करती है कि कौन जननायक है। जनता ने बार-बार राहुल गांधी को नकार कर यह सिद्ध कर दिया है कि वह विदेशी टूलकिट के नायक भर हैं, जनता के नायक नहीं।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 218वें दिन पंजाब पुलिस ने 3.9 किलोग्राम हेरोइन सहित 82 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य से नशे का पूर्ण खात्मा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरुद्ध" अभियान के 218वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज 313 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 62 एफआईआर दर्ज कर 82 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, 218 दिनों में गिरफ्तार कुल नशा तस्करों की संख्या 31,972 हो गई है।

इन छापों के परिणामस्वरूप गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 3.9 किलोग्राम हेरोइन, 67 किलोग्राम भूकी (पोस्त अवशेष), 660 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 41,640 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पी. को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशों के खिलाफ जारी इस जंग की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

इस अभियान के दौरान 60 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक टीमों ने पूरे राज्य में 313 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 331 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

मुख्य मंत्री ने श्री आनंदपुर साहिब में विरासती मार्ग का नींव पत्थर रखा

हिन्द जनपथ
श्री आनंदपुर साहिब(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पवित्र शहर श्री आनंदपुर साहिब में 18 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे विरासती मार्ग का नींव पत्थर रखा।

इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि वाहेगुरु ने उन्हें इस सेवा का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब के पवित्र शहर ने हमेशा इतिहास रचा है क्योंकि इस धरती ने न केवल पंजाब और सिखों के इतिहास को नया रूप दिया है, बल्कि भारत के इतिहास को भी बड़ा मोड़ दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसी ऐतिहासिक धरती पर दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 में बैसाखी वाले दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी।

मुख्य मंत्री ने कहा कि आज भी पंजाबी इस पवित्र स्थान से आध्यात्मिक और मानसिक तौर पर ताकत प्राप्त करते हैं और जुल्म, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'हिंद की चादर' नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को मना रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार इस पवित्र धरती को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके कारण तख्त श्री केसगढ़ साहिब जाने वाले रास्ते को सफेद संगमरमर की वर्तनी से विरासती रास्ते के रूप में विकसित किया जा रहा है।

- **तख्त श्री केसगढ़ साहिब जाने वाले रास्ते पर 25 करोड़ रुपए की लागत से 580 मीटर मार्ग बनाया जाएगा**
- **पांच तख्त साहिबान को रेल मार्ग के जरिए जोड़ने का मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से उठाएंगे**

मुख्य मंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 25 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा और 31 मार्च, 2026 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयास श्री आनंदपुर साहिब को पर्यटन, खासकर धार्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने में और भी बड़ी भूमिका निभाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्रद्धालुओं और सैलानियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रवेश द्वार पर एक बड़ा और आकर्षक मुख्य गेट बनाया जाएगा।

मुख्य मंत्री ने कहा कि पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में दर्शाए छायादार वृक्ष सफेद संगमरमर के फुटपाथ के साथ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 580 मीटर लंबा रास्ता मुख्य तौर पर दो हिस्सों में विभाजित किया जाएगा, एक पवित्र सरोवर के सामने से गुजरता है और दूसरा तख्त साहिब तक जाने वाली सीढ़ियों के साथ है, जो श्रद्धालुओं की सुविधा को सुनिश्चित बनाता है।

मुख्यमंत्री ने बाबा जीवन सिंह (भाई जैता जी) स्मारक जनसमर्पित की

हिन्द जनपथ
श्री आनंदपुर साहिब(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महान सिख शहीद बाबा जीवन सिंह (भाई जैता जी) के नाम पर 20 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अत्याधुनिक स्मारक आज जनता को समर्पित की।

मुख्यमंत्री ने भाई जीवन सिंह जी के महान बलिदान के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने चमकौर साहिब की ऐतिहासिक लड़ाई में सवा लाख मुगल सैनिकों से लोहा लेते हुए वीरगति पाई। उन्होंने कहा कि खालसा के जन्मस्थान श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर बाबा जीवन सिंह जी की स्मृति में मानवता को समर्पित पाँच गैलरियों का उद्घाटन किया जा रहा है, जो अपने डिज़ाइन के माध्यम से इतिहास की भावनाओं को साकार करती हैं। उन्होंने बताया कि इस स्मारक का डिज़ाइन श्री गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के आर्किटेक्चर विंग ने तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्मारक दो चरणों में पूरा हुआ है — पहले चरण में मुख्य इमारत का निर्माण फरवरी 2024 में पूरा कर उद्घाटन किया गया था। दूसरे चरण में इमारत के दोनों विंगों के अंदर बनी पाँच गैलरियाँ आज जनसमर्पित की गई हैं, और इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल लागत 29 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय महान सिख योद्धा बाबा जीवन सिंह के जीवन और बलिदान को सजीव रूप में प्रदर्शित करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यटकों को स्मारक के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित मॉडलों और वीडियो के माध्यम से इसकी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहली गैलरी सिख गुरुओं के बारे में जानकारी देती है और यह दर्शाती है कि बाबा जीवन सिंह के पूर्वज आरंभ से ही आध्यात्मिक रूप से गुरुओं से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि यहाँ इतिहास को जीवंत करने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है।

सत्य पाल जैन ने मूक एवं बधिर संस्था के साथ मनाई लाल बहादुर शास्त्री एवं गांधी जयंती

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ के पूर्व भाजपा सांसद एवं भारत सरकार के अपर महासालिसिटर श्री सत्य पाल जैन ने कहा है कि महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री ने जो संदेष भारतवासियों को दिये उनमें एक महत्वपूर्ण संदेष यह भी था कि व्यक्ति सदैव उन लोगों की मद्द करने को तत्पर रहे जिन्हें इस की सख़्त ज़रूरत है तथा जो उतने भाग्यषाली नहीं है, जितने की आप है।

श्री जैन आज सैक्टर 16 के रोज़ गार्डन में उार भारत की मूक एवं बधिर लोगों की संस्था ''नॉर्थ जोन चंडीगढ़ डैफ़ सोसाईटी'द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे जो इस संस्था द्वारा महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

श्री जैन तथा संस्था के विभिन्न सदस्यों ने महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री की फोटो पर फूल मालायें आर्पित की तथा संस्था ने श्री जैन को महात्मा गांधी का चित्र भेंट किया। क्योंकि इस संस्था के सदस्य न बोल सकते है तथा न ही सुन सकते है इसलिये उन्होंने सारा कार्यक्रम ''इषारों'की भाषा में किया।

श्री जैन ने कहा कि भगवान ने कुछ लोगों को जीवन की हर सुविधा नहीं दी है लेकिन इस कमी को चुनौती मानकर, जिस तरह से यह संस्था अपने सदस्यों की मदद कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के प्रति समाज की सोचने की मानसिकता बदलने की आवष्यकता है ताकि समाज अपने व्यवहार से ऐसे एक भी व्यक्ति को इस कमी का अहसास न होने दे।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने मलकपुर-ज्योली लिंक रोड के कार्य का शिलान्यास किया

कहा, पिछली सरकारें खामोश रहीं, वर्तमान सरकार ने क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी की

लालड़- विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने आज यहाँ कहा कि वर्तमान पंजाब सरकार ने मलकपुर-ज्योली लिंक रोड, जिसकी पिछली सरकारों ने लंबे समय से उपेक्षा की थी, के निर्माण का निर्णय लिया है, जिससे क्षेत्र की एक बड़ी और महत्वपूर्ण मांग पूरी हुई है।

आज 2.41 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क के कार्य का शिलान्यास करते हुए उन्होंने कहा कि अब यह सड़क 18 फीट चौड़ी होगी और निर्माण के बाद पाँच साल तक इसके रखरखाव और मरम्मत की ज़िम्मेदारी ठेकेदार की होगी। यह सड़क मलकपुर से भागसी वाया तरड़क रोड सेक्शन होते हुए ज्योली तक बनाई जा रही है।

श्री रंधावा ने कहा कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण सड़क की ओर कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन श्री भगवंत सिंह मान की सरकार ने क्षेत्र के लोगों की ज़रूरतों को समझते हुए इस परियोजना को मंज़ूरी दी। उन्होंने कहा कि इस सड़क के मुद्दे पर राजनीतिक खेल खेलने वाले अपने शासनकाल में इस सड़क के लिए कोई कदम नहीं उठा पाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पंजाब के ग्रामीण विकास कोष (आर डी एफ) को रोक दिए जाने के कारण कई विकास कार्यों में देरी हुई, लेकिन अब राज्य सरकार इस रुकावट के बावजूद तेज़ गति से विकास कार्य करवा रही है।

इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के गाँवों के निवासियों को आवागमन में सुविधा, समय की बचत और वाहनों की सुरक्षा का लाभ मिलेगा। श्री रंधावा ने पुलिस प्रशासन से इस सड़क पर ओवरलोड वाहनों और टिप्परों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए विशेष निर्देश जारी करने की माँग की।

उन्होंने कहा कि पंजाब की भगवंत सिंह मान सरकार ने सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की है, जिसके तहत डेराबस्सी हलके सहित पूरे पंजाब में नई संपर्क सड़कों की मरम्मत और निर्माण तथा पाँच साल तक उनके रखरखाव का ऐतिहासिक कार्य चल रहा है।

इस अवसर पर श्री रंधावा ने डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विकास में विशेष रुचि दिखाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का विशेष धन्यवाद किया।

इस अवसर पर उनके साथ विभिन्न गांवों के पंच-सरपंच, गणमान्य व्यक्ति और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत अब तक 1.66 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने किया आवेदन : डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि राज्य के अब तक 1,66,958 अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत डॉ. बी.आर. अंबेडकर छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन किया है।

उन्होंने कहा कि इस छात्रवृत्ति योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि कोई भी विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई में बाधा महसूस न करे।

इस संबंध में और जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि अब तक आवेदन करने वाले विद्यार्थियों में से 20,773 विद्यार्थियों के आवेदन सत्यापित किए जा चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक 627 विद्यार्थियों के लिए 14.95 लाख रुपए की राशि जारी की जा चुकी है, जबकि 19,244 विद्यार्थियों के लिए 4.62 करोड़ रूपए की राशि शीघ्र ही जारी की जा रही है।

मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य सरकार द्वारा 2,37,456 विद्यार्थियों के लिए 267.54 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई थी, जो विद्यार्थियों के कल्याण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी ढंग से की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की कार्यालयी दौड़-भाग से राहत मिली है।

डॉ. बलजीत कौर ने विद्यार्थियों से अपील की कि अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थी अपने स्थानीय कॉलेजों के माध्यम से इस योजना के लिए आवेदन करें और इसका लाभ उठाकर अपनी शिक्षा जारी रखें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार प्रत्येक योग्य विद्यार्थी तक छात्रवृत्ति का लाभ पहुंचाने और शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिद्धवां नहर पर बने चार प्रमुख पुलों में से पहले का किया उद्‍घाटन, पुल अब आवागमन के लिए उपलब्ध

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/लुधियाना- स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए, बिजली, उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन और प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज सिद्धवां नहर पर एक पुल का उद्घाटन किया। यह पुल सिद्धवां नहर पर दक्षिणी शहर की ओर बनाए जा रहे चार पुलों में से एक है।

उनके साथ मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर, राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू, उपायुक्त हिमांशु जैन, तथा स्थानीय निवासी मृदुला जैन, राधिका जैत्वानी, गगन खन्ना आदि मौजूद थे।

पुल का उद्घाटन करते हुए मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) द्वारा सिद्धवां नहर पर बनाए जा रहे चार पुलों में से पहले पुल का आज उद्घाटन किया गया है जबकि दूसरे पुल का उद्घाटन अगले 10 दिनों में कर दिया जाएगा और शेष दो पुल की शुरूआत अगले दो महीनों में हो जाएंगी।

सिद्धवां नहर पर एफ-2 रेसवे पुल और बाड़ेवाल पुल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर 16 करोड़ रुपये की लागत से चारों पुल दाएं और बाएं दोनों ओर बनाए जा रहे हैं।

श्री अरोड़ा ने कहा कि इन चारों पुलों के पूर्ण हो जाने से यातायात सुचारू होगा और भीड़भाड़ में काफी कमी आएगी, विशेष रूप से लुधियाना के दक्षिणी शहरी क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि पहले इलाके के लोगों को आवागमन के दौरान भारी जाम का सामना करना पड़ता था क्योंकि मौजूदा पुल इस सड़क पर बढ़ते ट्रैफिक को संभालने में सक्षम नहीं थे।

उन्होंने पुलों के निर्माण के दौरान गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के लिए एनएचएआई की सराहना भी की।

श्री अरोड़ा ने बताया कि 2022 में राज्यसभा सदस्य बनने के बाद उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। तब से उन्होंने मंत्रालय के सचिव और एनएचएआइ के चेयरपर्सनों के साथ कई बैठकें की हैं और एनएचएआइ एवं अन्य आधारभूत परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों को लगातार मंत्रालय के समक्ष उठाया है।

मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने कैबिनेट मंत्री का धन्यवाद किया कि उन्होंने चार पुलों में से एक को जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा की समाज सेवा के प्रति समर्पण भावना के कारण ही ये चारों पुल बने हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धवां नहर के आसपास कई आवासीय क्षेत्र विकसित हो चुके हैं और ये चार पुल इस सड़क पर जाम की समस्या से बड़ी राहत देंगे।

कांग्रेस विदेशी पार्टी जिसका जन्म एक अंग्रेज ने किया था, इसलिए यह अंग्रेजों की औलाद है, भाजपा देसी पार्टी जो भारत की तरक्की के लिए काम करती है : अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कोलंबिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरएसएस के खिलाफ दिए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'कांग्रेस विदेशी पार्टी जिसका जन्म एक अंग्रेज ने किया था, इसलिए यह अंग्रेजों की औलाद है, भाजपा देसी पार्टी जो भारत की तरक्की के लिए काम करती है'। इसके अलावा, श्री विज ने सुरजेवाला एक हताश कवि की तरह लगे हुए हैं और वैसे ही गीत लिख रहे हैं जैसे कोई डिप्रेशन में लिख रहा हो।

आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस को अंग्रेजो की औलाद बताया। उन्होंने कहा राहुल गांधी को बुरी आदत है कि यह विदेशों में जाकर देश को कोसते हैं। भारत में प्रजातंत्र है और संविधान ने सबको बोलने का अधिकार दिया हुआ है, लेकिन आप यहां की धरती पर खड़े होकर सरकार की कमियां बताने के बजाय विदेशों में जाकर हिन्दुस्तान को क्यों नीचा दिखाते हो। विज ने कहा हमें गर्व है की हम आरएसएस से जुड़े लोग है। हमें राष्ट्रीयता, चरित्र निर्माण का मार्गदर्शन मिलता है। विज ने कहा की कांग्रेस को एक अंग्रेज एओ ह्युम ने पैदा किया था इसलिए आप अंग्रेज की औलाद हो। इंडियन नेशनल कांग्रेस एक विदेशी पार्टी है जिसका जन्म एक अंग्रेज ने किया था लेकिन भाजपा एक देसी पार्टी है जो दिन रात भारत की तरक्की के लिए काम करती है।

आम आदमी पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल के ब्यान कि गोवा में भाजपा-कांग्रेस की मिलीभगत वाली सरकार चल रही है पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अरविन्द केजरीवाल को नसीहत देते हुए कहा कि आप अपनी पार्टी के प्रमुख हो और आप इधर उधर की बात न करके यह देखे की आपके पंजाब में क्या हाल हो रहा है। उन्होंने गुनगुनाते हुए कहा "पंजाब क्यों बेहाल है, तू उसका कर ले ख्याल, तू इधर उधर न भटक पंजाब का कर ले ख्याल"।

कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा भाजपा सरकार पर किसान विरोधी होने के ट्विट पर व कुछ पंक्तियां लिखने पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सुरजेवाला को जवाब देते हुए कहा की सुरजेवाला एक हताश कवि की तरह लगे हुए हैं और वैसे ही गीत लिख रहे हैं जैसे कोई डिप्रेशन में लिख रहा हो। मंत्री अनिल विज ने कहा भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार है जितना किसानों के लिए हितकारी है उससे पहले आज तक किसी सरकार ने किसानों पर ध्यान नहीं दिया।

संपादकीय

मशीनें तो आएंगी, पर इंसान भी रहेंगे

क्या मशीनें इंसानों की जगह ले लेंगी? आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की तेज तरक्की के बाद यह सवाल और भी गंभीर हो उठा है। ऐसे वक्त में वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह का बयान मशीनों को लेकर फैले डर को कम करने वाला है।टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने कुछ दिनों पहले ट्वीट किया था कि युद्ध का भविष्य ड्रोन हैं, इंसानों द्वारा संचालित एयरक्राफ्ट नहीं । वायु सेना प्रमुख ने इसी ट्वीट पर साफ किया कि इंसानों की भूमिका बनी रहने वाली है। मानवरहित सिस्टम डिवेलप होंगे, उनका उपयोग बढ़ेगा, लेकिन वे खुद से काम नहीं कर सकते। उनको चलाएगा कोई इंसान ही। दुनिया के कई देशों में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर काम चल रहा है। ब्रिटेन, इटली और जापान मिलकर ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम में लगे हुए हैं। वहीं अमेरिका ने एनजीएडी लॉन्च किया है। चीन के बारे में भी चर्चा है कि वह चेंजड्यू जे-36 6 डिवेलप कर रहा है। और ये सारे प्रॉजेक्ट मैन्ड हैं।कोई भी युद्ध बेहतर तालमेल और साझेदारी से जीता जाता है- फिर भले ही वह इंसानों और मशीनों के बीच क्यों न हो। भारत समेत कई देशों में अनमैन्ड कॉम्बैट एरियल वीकल या ड्रोन पर प्रॉजेक्ट चल रहे हैं। इनको लड़ाकू विमानों के साथ टीम में काम करने के लिए ही तैयार किया जा रहा।रूस- यूक्रेन युद्ध में ड्रोन की भूमिका दिखी। इसी तरह, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान टकराव में भी ड्रोन अहम भूमिका में रहे। लेकिन, दोनों जगह ड्रोन्स ने तभी बेहतर परिणाम दिया, जब उनका इस्तेमाल सही ढंग से हुआ।वायु सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भी दोहराया। हालांकि सेना और सरकार की तरफ से पहले भी देश को जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन एयरफोर्स चीफ के बयान की जरूरत इसलिए थी क्योंकि पाकिस्तान की तरफ से लगातार झूठ फैलाया जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच तक का इस्तेमाल किया। कोरे दावे संघर्ष में हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकते। भारतीय सेना ने तो सबूत सामने रख दिए, पाकिस्तान के पास अगर कुछ है, तो दिखाना चाहिए, वरना झूठे नैरेटिव से उसे ही घाटा होगा।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया। बाद में पकड़े गए और अब जेल की सलाखों के पीछे हैं या फरार हैं। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। गुरमीत को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की वजह से विवाद भी रहा है। हाल ही में, अगस्त 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी 14वीं रिहाई थी।

आधारभूत सुविधाओं की कमी से फल—फूल रहे हैं पाखंडी धर्म गुरु

(योगेंद्र योगी)

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया।

भारत में आधारभूत सुविधाओं की कमी एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, और शहरी क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचे (जैसे सड़कें, पुल, आदि) में खामियाँ पाई जाती हैं। इसके मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में बाधाएँ, भ्रष्टाचार, कुशल प्रबंधन की कमी और मांग में वृद्धि हैं। ऐसे हालात देश में ढोंगी बाबाओं को पनपने का मौका देते हैं। ऐसे फर्जी बाबाओं, मौलवियों और पादरियों की सूची में एक नाम और जुड़ गया है। दिल्ली के इंस्टीट्यूट में यौन शोषण के मामला मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 17 छात्राओं ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के प्रबंधक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को देर रात कथित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के क्वार्टर में बुलाया जाता था। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला है और उस पर पहले भी 2009 और 2016 में छेड़छाड़ के केस दर्ज हो चुके हैं।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया। बाद में पकड़े गए और अब जेल की सलाखों के पीछे हैं या फरार हैं। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। गुरमीत को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की वजह से विवाद भी रहा है। हाल ही में, अगस्त 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी 14वीं रिहाई थी।

राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम को 2018 में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन पर सूरत की दो सगी बहनों से दुराचार, गवाहों पर हमला और हत्या जैसे गंभीर आरोप हैं। आसाराम का बेटा नारायण साईं भी सूरत की जेल में दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। हरियाणा के ही एक और बाबा संत रामपाल हिसार जेल में बंद हैं। सतलोक आश्रम चलाने वाले रामपाल पर देशद्रोह, शारीरिक शोषण, अवैध हथियार रखने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप हैं। जिसके बाद उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। स्वामी भीमानंद, जिन्हें इच्छाधारी बाबा के नाम से जाना जाता है। दिल्ली में देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में जेल में हैं। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली आश्रम चलाने वाले स्वामी परमानंद भी जेल में बंद हैं। उनके ऊपर

13 महिलाओं से रेप के आरोप हैं।

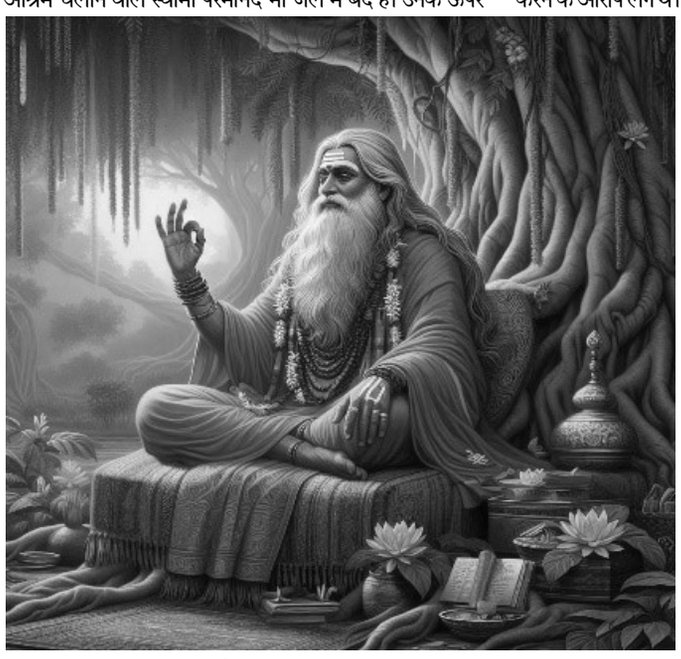

सन 90 के दौर में धीरेंद्र ब्रह्मचारी के ऊपर अपनी गन फैक?ट्री में अवैध विदेशी हथियार रखने के आरोप लगे। एक तांत्रिक के रूप में विख्यात चन्द्रास्वामी के पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से गहरे संबंध थे। ईडी ने उनपर 13 मामलों में फेमा के उल्लंघन के मामले में 9 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई थी। लंदन के एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी के मामले में 1996 में चंद्रास्वामी को गिरफ्तार किया गया था। राजीव गांधी हत्या मामले में भी उनपर हत्यारों की वित्तीय मदद करने के आरोप लगे थे। राजस्थान के अलवर जिले में बहुचर्चित यौन शोषण के आरोपी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य उर्फ फलाहारी बाबाफलाहारी बाबा यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा हुई। इसके साथ ही कोर्ट ने एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मुंबई में राधे मां विवादों में रही। उन पर मिनी स्कर्ट पहनने, भक्तों के गले लगना, उनके साथ डांस करना, यही वजह है कि उनपर अश्लीलता फैलाने का भी आरोप लग चुका है। स्वामी नित्यानंद दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए जिसके बाद उनके समर्थकों ने खासा हंगामा किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने जमालुद्दीन उर्फ़ छांगुर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ़्तार भी किया। बलरामपुर ज़िले में उनके घर को बुलडोज़र से गिरा दिया। छांगुर बाबा पर धर्मांतरण, विदेशी फंड़िंग जैसे आरोप हैं। छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी की। बरेली की एक मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाले मौलाना ने मस्जिद की साफ सफाई करने वाली लड़की को जबरदस्ती पकड़कर उसके साथ गलत काम किया। लड़की द्वारा विरोध करने पर उसकी अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी गई। पुलिस ने आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर के गुलहरिया थानाक्षेत्र में एक मौलवी ने निकाह का वादा कर युवती के साथ शारीरिक संबंध भी बनाना शुरू कर दिया। जब युवती गर्भवती हो गई और निकाह का दबाव बनाने लगी तब मौलवी फरार हो गया। अलवर जिले में एक मौलवी की ओर से 5 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया।

इसी तरह स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। साल 2018 में जीरकपुर की एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उन पर एक और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। तब बजिंदर को लंदन जाते समय दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया था। साल 2023 में बजिंदर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईसाई पादरी को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय जॉन जेबराज के रूप में हुई जो कोयंबटूर के किंग जेनरेशन चर्च में पादरी था और केरल के इलाकों में भी धर्मोपदेश देता था। पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फूल-फल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा। अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंततः रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

समाज सहयोग से संघ शताब्दी यात्रा सुगम बनी

(दत्तात्रेय होसबाले)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य को अभी सौ वर्ष पूर्ण हो रहे है। इस सौ वर्ष की यात्रा में कई लोग सहयोगी और सहभागी रहे हैं। यह यात्रा परिश्रम पूर्ण और कुछ संकटों से अवश्य घिरी रही, परंतु सामान्य जनों का समर्थन उसका सुखद पक्ष रहा। आज जब शताब्दी वर्ष में सोचते हैं तो ऐसे कई प्रसंग और लोगों का स्मरण आता है, जिन्होंने इस यात्रा की सफलता के लिए स्वयं सब कुछ समर्पित कर दिया।

प्रारंभिक काल के वे युवा कार्यकर्ता एक योद्धा की तरह देश प्रेम से ओत-प्रोत होकर संघ कार्य हेतु देशभर में निकल पड़े। अप्पाजी जोशी जैसे गृहस्थ कार्यकर्ता हों या प्रचारक स्वरूप में दादाराव परमार्थ, बालासाहब व भाऊराव देवरस बंधु, यादवराव जोशी, एकनाथ रानडे आदि लोग डॉक्टर हेडगेवार जी के सान्निध्य में आकर संघ कार्य को राष्ट्र सेवा का जीवनव्रत मानकर जीवन पर्यन्त चलते रहे।

संघ का कार्य लगातार समाज के समर्थन से ही आगे बढ़ता गया। संघ कार्य सामान्य जन की भावनाओं के अनुरूप होने के कारण शनैः शनैः इस कार्य की स्वीकार्यता समाज में बढ़ती चली गई। स्वामी विवेकानंद से एक बार उनके विदेश प्रवास में यह पूछा गया कि आपके देश में तो अधिकतम लोग अनपढ़ हैं, अंग्रेज़ी तो जानते ही नहीं हैं, तो आपकी बड़ी-बड़ी बातें भारत के लोगों तक कैसे पहुँचेगी? उन्होंने कहा कि जैसे चीटियों को शक्कर का पता लगाने के लिए अंग्रेज़ी सीखने की ज़रूरत नहीं है, वैसे ही मेरे भारत के लोग अपने आध्यात्मिक ज्ञान के चलते किसी भी कोने में चल रहे सात्विक कार्य को तुरंत समझ जाते हैं व वहीं वो चुपचाप पहुँच जाते हैं। इसलिए वे मेरी बात समझ जायेंगे। यह बात सत्य सिद्ध हुई। वैसे ही संघ के इस सात्विक कार्य को धीरे क्यों न हो, सामान्य जन से स्वीकार्यता व समर्थन लगातार मिल रहा है।

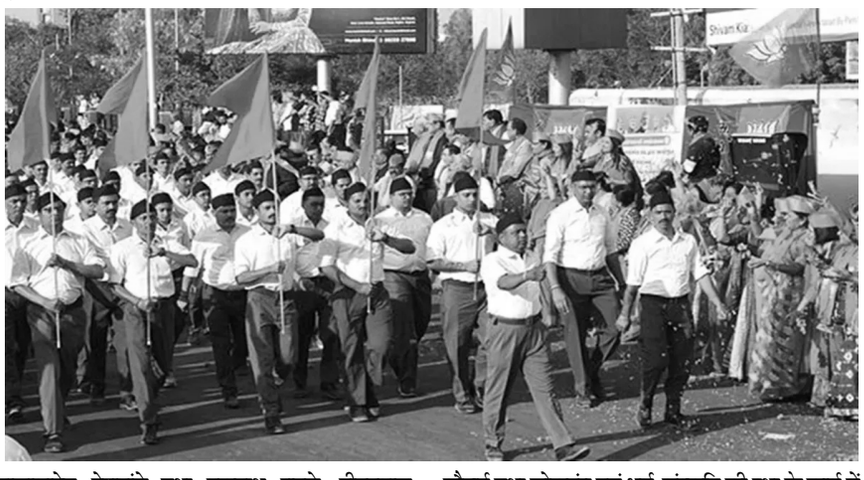

संघ कार्य के प्रारंभ से ही संपर्कित व नये-नये सामान्य परिवारों द्वारा संघ कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद व आश्रय प्राप्त होता रहा। स्वयंसेवकों के परिवार ही संघ कार्य संचालन के केंद्र रहे। सभी माता-भगिनियों के सहयोग से ही संघ कार्य को पूर्णता प्राप्त हुई। दत्तोपंत ठेंगड़ी या यशवंतराव केलकर,

बालासाहेब देशपांडे तथा एकनाथ रानडे, दीनदयाल उपाध्याय या दादासाहेब आपटे जैसे लोगों ने संघ प्रेरणा से समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में संगठनों को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। ये सभी संगठन वर्तमान समय में व्यापक विस्तार के साथ-साथ उन क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज की बहनों के मध्य इसी राष्ट्र कार्य हेतु राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से मौसी जी केलकर से लेकर प्रमिलाताई मेढ़े जैसी मातृसमान हस्तियों की भूमिका इस यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

संघ द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय हित के कई विषयों को उठाया गया। उन सभी को समाज के विभिन्न लोगों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिनमें कई बार सार्वजनिक रूप से विरोधी दिखने वाले लोग भी शामिल रहे। संघ का यह भी प्रयास रहा कि व्यापक हिंदू हित के मुद्दों पर सभी का सहयोग प्राप्त किया जाए। राष्ट्र की एकात्मता, सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द तथा लोकतंत्र एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के कार्य में असंख्य स्वयंसेवकों ने अवर्णनीय कष्ट का सामना किया और सैकड़ों का बलिदान भी हुआ। इन सबमें समाज के संबल का हाथ हमेशा रहा है।

1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में भ्रमित करते हुए कुछ हिंदुओं का मतांतरण करवाया गया। इस महत्वपूर्ण विषय पर हिंदू जागरण के क्रम में आयोजित लगभग पाँच लाख की उपस्थिति वाले सम्मेलन की अध्यक्षता करने हेतु तत्कालीन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. कर्णसिंह उपस्थित रहे। 1964 में विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना में प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी चिन्मयानंद, मास्टर तारा सिंह व जैन मुनी सुशील कुमार जी, बौद्ध भिक्षु कुशोक बकुला व नामधारी सिख सद्गुरु जगजीत सिंह इनकी प्रमुख सहभागिता रही। हिन्दू शास्त्रों में अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है यह पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से श्री गुरूजी गोलवलकर की पहल पर उडुपी में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में पूज्य धर्माचार्यों सहित सभी संतों-महंतों का आशीर्वाद व उपस्थिति रही। जैसे प्रयाग सम्मेलन में न हिंदुः पतितो भवेत् (कोई हिन्दू पतित नहीं हो सकता) का प्रस्ताव स्वीकार हुआ था वैसे ही इस सम्मेलन का उद्घोष था - हिंदवः सोदराः सर्वे अर्थात सभी हिन्दू भारत माता के पुत्र हैं। इन सभी में तथा गौहत्या बंदी का विषय हो या राम जन्मभूमि अभियान, संतों का आशीर्वाद संघ स्वयंसेवकों को हमेशा प्राप्त होता रहा है।

स्वाधीनता के तुरंत पश्चात राजनीतिक कारणों से संघ कार्य पर तत्कालीन सरकार द्वारा जब प्रतिबंध लगाया गया, तब समाज के सामान्य जनों के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी संघ के पक्ष में खड़े होकर इस कार्य को संबल प्रदान किया। यही बात आपातकाल के संकट समय में भी अनुभव में आई। यही कारण है कि इतनी बाधाओं के पश्चात भी संघ कार्य अक्षुण्ण रूप से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन सभी परिस्थितियों में संघ कार्य एवं स्वयंसेवकों को सँभालने का दायित्व हमारी माता-भगिनीयों ने बड़ी कुशलता से निभाया। यह सभी बातें संघ कार्य हेतु सर्वदा प्रेरणास्त्रोत बन गयी हैं।

भविष्य में राष्ट्र की सेवा में समाज के सभी लोगों के सहयोग एवं सहभागिता के लिए संघ स्वयंसेवक शताब्दी वर्ष में घर-घर संपर्क के द्वारा विशेष प्रयास करेंगे। देशभर में बड़े शहरों से लेकर सुदूर गाँवों के सभी जगहों तक तथा समाज के सभी वर्गों तक पहुँचने का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। समूचे सज्जन शक्ति के समन्वित प्रयासों द्वारा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आगामी यात्रा सुगम एवं सफल होगी।(लेखक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह हैं)

वर्ग पहेली 5874

1	2		3	4		5	6
7			8		9		
10		11		12			
	13		14			15	
16			17		18		
19	20				21		
22			23				24
25					26		

संकेतः बाएं से दाएं

1. पद्म विभूषण से सम्मानित ये भारतीय तैराक थे जिन्होंने इंगलिश चैनल तैरकर पार किया (5)
5. थोड़ा, अल्प, न्यून (2)
7. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
8. बातचीत करने का गुण या हुनर (5)
10. हाथी को यह भी कहते है, पर्वत से उत्पन्न (3)
12. शिकन, सिकुड़न, मरोड़ (2)
13. नानफरोश, नानबाई (4)
15. नगाड़ा, ख्याति (2)
17. आघात करना, पीटना (3)
19. उथल-पुथल, यह अभिनेत्री जीनत अमान की पहली फिल्म थी (1970) (4)
21. सरल, भला, सज्जन (2)
22. आफत, विपत्ति, भूत-प्रेत की बाधा (2)
23. उचित, मुनासिब (3)
25. तीर, किनारा (2)
26. विवाह के समय वर को पहनाऐ जाने वाला मुकुट, शिरोभूषण (2)

(ऊपर से नीचे

1. सामंजस्य स्थापना, तुलनात्मकरूप से देखा जाना (3)
2. परचना, मेलजोल कायम रखना (4)
3. परिचर्या, सर्विस, खिदमत (2)
4. दीवार में सेंध लगाकर चोरी करने वाला (5)
5. कड़ुवा, अप्रिय (2)
6. वोट देने की पात्रता (5)
9. समय का सबसे छोटा भाग, क्षण (2)
11. पांचवा लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है (2)
14. कुश्तीबाज, योद्धा, वह जो कुश्ती लड़ता हो (5)
16. संगति, साथ, संग (4)
18. तकदीर, भाग्य, प्रारब्ध (3)
20. माथ, मस्तक (3)
24. राजा भोज की नगरी (2)

वर्ग पहेली 5873 का हल

झा	र	खं	ड		स	म	ता
वा	म		का	म	च	ला	ऊ
	द	स्तू	र		मु		
म		पा		ना	च		ज
हु		का	न	न		घा	न
आ	खि	र		क	प	ट	ता
	लौ		अ	पं	ग		
ज	ना	ब		थी		हां	

गलती की ऐसी सजा सिर्फ शास्त्रीजी दे सकते थे

(अनिल शास्त्री,पूर्व केंद्रीय मंत्र

व शास्त्रीजी के पुत्र)

मैं तब केवल आठ वर्ष का था, जब दक्षिण भारत में एक भीषण रेल दुर्घटना के कारण मेरे पिता लाल बहादुर शास्त्री ने केंद्रीय रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने इसलिए ऐसा किया, क्योंकि वह रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी रेल मंत्री होने के नाते अपनी समझते थे। जब वह कार्यभार नए मंत्री को सौंपकर लौटे, तब उन्होंने मेरी तरफ देखा और शायद मुझे उदास समझकर मुझसे पूछा- क्या आपको खराब लग रहा है कि मैं अब अपने देश का रेल मंत्री नहीं रहूंगा? मैंने तत्काल उत्तर दिया, नहीं, बल्कि मुझे तो खुशी है कि अब आप अधिक समय हम लोगों के साथ बिता सकेंगे। वह मुस्कराए और अंदर कमरे में चले गए।

मगर असलियत में ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि मेरे पिता मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के कामों में और अधिक व्यस्त हो गए थे। मैं और मेरे दूसरे भाई-बहन कभी-कभी उनसे इसकी शिकायत भी किया करते, लेकिन वह कहते, देश की सेवा करने का जितना अधिक मौका मिले, उतना ही उन्हें संतोष मिलता है। पिताजी रोज सुबह करीब सात बजे काम पर निकल जाते और रात में लगभग ग्यारह बजे तक लौटते। कभी-कभी तो पूरा सप्ताह बीत जाता और पिताजी से हमारी मुलाकात नहीं होती थी। यह सिलसिला हमेशा चलता रहा।

वह हमेशा सादा जीवन व्यतीत करते थे। जब प्रधानमंत्री बने, तब मैंने उनसे कहा कि वह अपने कमरे में कालीन बिछवा लें, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनका कमरा तो हम लोगों के कमरे से भी छोटा था, बल्कि एक बारामदे में दीवार उठवाकर बनवाया गया था। एक दिन की बात है। मैं खाना खाकर पिताजी के कमरे में सोने के लिए गया। मेरे कमरे में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद उन्होंने कहा- अनिल, मैंने देखा है कि आपको बड़ों के पैर छूकर प्रणाम करना नहीं आता। आपके हाथ केवल घुटनों तक जाते हैं, पैर तक नहीं। मुझे यह बात अच्छी नहीं लगी। मैंने तुरंत उत्तर दिया, नहीं, मैं ठीक से प्रणाम करता हूं। पिताजी ने कहा, ऐसी बात नहीं है और उन्होंने मुझमें ही गलती पाई थी, पर मैं अपनी बात पर डटा रहा। मैं यह समझता हूं कि अगर मेरे पिता के अलावा कोई और पिता होता, तो शायद अपने पुत्र को कोई न कोई दंड अवश्य देता, लेकिन उन्होंने इतना ही कहा- हो सकता है कि मेरे देखने में गलती हुई हो। हां, मैं उम्र में आपसे बड़ा हूं और आपका पिता हूं, इसलिए मैं आपको बताना चाहूंगा कि बड़ों को कैसे प्रणाम किया जाता है? और, मेरे देखते-देखते उन्होंने झुककर मेरे पैर छू लिए और बड़े आदर के साथ प्रणाम किया। उन्होंने तब इतना ही कहा, अगर आप इस तरह प्रणाम करते रहे हैं, तो मैं अपनी गलती मानता हूं, और अगर आप अपने प्रणाम करने में त्रुटि पाएं, तो आपको मैंने जो ढंग बताया है, उसे अपनाने की कोशिश करें। मैं शायद यह बताने में असमर्थ हूं कि मेरी गलती की वह कितनी बड़ी सजा थी!

सन् 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय देश में खाद्यान्न की समस्या थी, तो उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि वे हफ्ते में एक समय खाना न खाएं। लोगों से अपील करने से पहले उन्होंने खुद यह व्रत रखा था और हम लोगों से भी ऐसा करने को कहा था। मुझे आज भी याद है, उस समय सोमवार की शाम घर में खाना नहीं बनता था। पिताजी दूसरों को कुछ करने के लिए तभी कहते थे, जब वह खुद उस काम को कर चुके होते।

ताशकंद जाने से कुछ दिन पूर्व वह इलाहाबाद से करीब 60 किलोमीटर दूर मांडा गए थे। उस गांव की दयनीय स्थिति को देखकर उनको अत्यंत दुख हुआ था, उन्होंने वहां के निवासियों को आश्वस्त किया था कि ताशकंद से लौटने के बाद वह उनके लिए अवश्य कुछ करेंगे। परंतु विधाता को यह मंजूर नहीं था। हालांकि, शास्त्री जी के वचन को मेरी माता ललिता शास्त्री ने पूरा करने की ठानी। बहरहाल, वह 3 जनवरी, 1966 की सुबह थी, जब लाल बहादुर शास्त्री ताशकंद के लिए रवाना हो रहे थे।

आज का राशिफल

मेष

आज अधिक परिश्रम करनी पड़ सकती है। आज के दिन आपको अजनबी लोगों का सहयोग भी मिलेगा, जिससे रुके हुए कार्य में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अचानक कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इससे आपको मिलने वाला लाभ प्रभावित हो सकता है।

वृष

आज का दिन परेशान करने वाला रहेगा। जल्दबाजी से किए गए कार्य बिगड़ सकते हैं। इसलिए संयम बनाए रखना आपके लिए बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में कुछ दबाव महसूस हो सकता है। किसी प्रकार की पारिवारिक संकोच निर्णय लेने में दबाव डाल सकती है।

तुला

आज कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान एक के बाद एक कई समस्याओं का समाधान होता चला जाएगा। हालांकि, पेट या आंख से संबंधित समस्या परेशान कर सकती है। इससे कार्यक्षेत्र में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य को लेकर भी आपको आज के दिन थोड़ा अधिक ध्यान देना होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक

आज का दिन जातकों के दांपत्य जीवन में सामंजस्य बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में जटिल कार्यों का समाधान आसानी से निकल जाएगा। मानसिक उलझनों के कारण सिरदर्द या तनाव महसूस हो सकता है। संतान से जुड़ी कोई चिंता परेशान कर सकती है।

मिथुन

आज जातकों को कुछ असमानता उभर सकती हैं। इससे आपको कुछ मानसिक अस्थिरता महसूस हो सकती है। आज आपके समाज में मान–सम्मान बढ़ सकती है। इसके साथ ही अप्रत्याशित लाभ की संभावना बनती दिख रही है।

कर्क

आज का दिन कुछ मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज आपके द्वारा की गई मेहनत का फल थोड़ी देर से मिलेगा। आज आपको किसी आवश्यक कार्य के लिए दूर यात्रा करनी पड़ सकती है। इससे थकान महसूस होगी। मानसिक अशांति और कुंठा के कारण कुछ क्षणों के लिए मन विचलित रह सकता है।

धनु

आज वाहन या आवास से जुड़ी कुछ समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। किसी शुभ समाचार के मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। आज के दिन आपको अपने मित्रों और सहयोगियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक रूप से दिन आपके अनुकूल रहेगा।

मकर

आज अपने मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी चल–अचल संपत्ति से संबंधित पारिवारिक विवाद सुलझ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ने से व्यस्तता बनी रहेगी। सोच–समझकर किए गए कार्य में आपको सफलता प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और विरोधियों की गतिविधियों में कमी आएगी।

सिंह

आज दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपके आपके सभी कार्य सहजता से पूरे होते नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार और व्यवसाय से संबंधित नए अनुभव प्राप्त होंगे। आपको खर्चों पर कंट्रोल करना होगा।

कन्या

कन्या

आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार में शुभ कार्यों का वातावरण बनेगा और किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होता दिख रहा है। इसके लिए बेहतर होगा की आप अच्छा भजन करें।

कुंभ

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज व्यर्थ के तर्क–वितर्क से समय व धन दोनों की हानि हो सकती है। इसलिए जरूरी है की आप अपने विवेक से काम लें। आपके नियोजित कार्यक्रम सफल होंगे और आर्थिक लाभ मिलेगा। मातुल पक्ष से लाभ प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र या परिचित के आगमन से घर में रौनक बढ़ेगी।

मीन

आज लाभ कमाने का अवसर है। अपनी सूझबूझ और व्यवहार के बल पर आप मनचाही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के दिन आपको जटिल परिस्थितियों से राहत मिलेगी। विरोधी भी आपके सामने आज टिक नहीं पाएंगे। स्वास्थ्य संबंधी किसी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए खानपान में सावधानी बरते।

फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनॉल्ट कर रही लागत घटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांसीसी कार निर्माता कंपनी रेनॉल्ट कर्मचारियों के छंटनी पर विचार कर रही है। समाचार वेबसाइट के अनुसार कंपनी वैश्विक स्तर पर 3,000 तक पदों में कटौती कर सकती है। इस योजना से सहायक सेवाओं जैसे मानव संसधान, वित्त और मार्केटिंग में लगभग 15 प्रतिशत की कटौती होगी। शुक्रवार को एजेंसी फ्रांस प्रेस को दिए गए बयान में कंपनी ने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और फिलहाल कोई निश्चित संख्या साझा नहीं की जा सकती। रेनॉल्ट ने यह भी कहा कि वह संचालन को सरल बनाने, कार्यान्वयन की गति बढ़ाने और निश्चित लागतों को अनुकूलित करने के तरीकों पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेनॉल्ट मुख्य रूप से अमेरिकी बाजार में कार न बेचने के कारण अमेरिकी टैरिफ से बचा रहा है, लेकिन इसका असर अप्रत्यक्ष रूप से महसूस हुआ है। यूरोपीय प्रतिद्वंदियों पर अमेरिकी व्यापार बाधाओं के दबाव के कारण रेनॉल्ट के घरेलू क्षेत्र में बेचने की कोशिशें तेज हुई हैं, जिससे फांसीसी कंपनी पर दबाव बढ़ा है। साथ ही, रेनॉल्ट को चीनी कंपनियों से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, खासकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों में। जहां यूरोप में रेनॉल्ट अपनी कारों का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बेचता है और वहां विकास धीमा है। कंपनी के लिए उभरते बाजारों में विस्तार करना जरूरी हो गया है। इस दिशा में रेनॉल्ट ने पहले ही 2027 तक गैर-यूरोपीय बाजारों के लिए आठ नए मॉडल लॉन्च करने के लिए 3 अरब यूरो (लगभग 3.4 अरब डॉलर) निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का विकल्प खुला रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना खुली रखी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी घटा दिया है। बता दें कि केंद्रीय बैंक ने टैरिफ अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए 1 अक्तबूर को अपनी नीतिगत ब्याज दरों को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर अपवरिवर्तित रखने का फैसला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमपीसी ने स्वीकार किया कि अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। हालांकि, क्रिसिल ने कहा कि जीएसटी सुधारों से समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की जरूरत है। इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति अब चिंता का विषय नहीं रही और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती शुरू होने से आरबीआई के लिए दरों में कमी करने की संभावना बनी है। फरवरी 2025 से, आरबीआई नीतिगत दरों में 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है। जून में अपनी पिछली नीति समीक्षा में, उसने रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती करके 5.5 प्रतिशत कर दिया था। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे। एमपीसी की सिफारिश मुद्रास्फीति में कमी के बीच फरवरी और अप्रैल में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की व जून में 50 आधार अंकों की कटौती की।इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से नीचे चल रही है। खाद्य कीमतों में कमी और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण अगस्त में यह छह साल के निचले स्तर 2.07 प्रतिशत पर आ गई।

बैंकों में 1.84 लाख करोड़ रूपये की संपत्तियां अनक्लेम्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्ति बिना दावे के पड़ी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंन कहा कि अधिकरिरयों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि ये सही मालिकों तक पहुंचें। सीतारमण ने गुजरात के गाधीनगर से तीन महीने लंबी आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई और बैंकों व वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीतारमण ने कहा कि उन्होंने

अधिकारियों से अपील की कि वे तीन ए, जागरूकता, पहुंच और कार्यवाही पर काम करें ताकि यह राशि सही हकदारों तक पहुंचे। पहला ए जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां पड़ा है, इस दस्तावेज के साथ आएं और इसे ले जाएं। आप राजदूत बन सकते हैं और लोगों को बता सकते हैं कि क्या उन्होंने अभी तक अपनी जायज संपत्ति का दावा नहीं किया है। बस उनसे कहें कि वे अपने दस्तावेज ढूंढ़ें और पोर्टल पर पंजीकरण कराएं। मंत्री ने आगे कहा कि, आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल या इस उद्देश्य के लिए बैंकों द्वारा बनाए गए स्टॉलों के माध्यम से, उन सही दावेदारों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीसरा ए एक्शन है, जहां आप (अधिकारी) जो कुछ भी आपके पास है। जैसे कागज के छोटे टुकड़े, उस पर कार्रवाई करते हैं।

यूडीजीएएम पोर्टल, दावा न की गई राशि ट्रांसफर हो सकती है

आरबीआई ने ष्ठद्दरूपोर्टल बनाया है, जिसके जरिए लोग अपनी अनक्लेम्ड जमा राशि का पता लगा सकते हैं। सीतारमण ने अधिकारियों से लोगों में जागरूकता फैलाने और उन्हें पोर्टल या बैंक स्टाल के माध्यम से संपत्ति वापस लेने में मदद करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने बताया कि अनक्लेम्ड राशि बैंक, आरबीआई या आईईपीएफ में सुरक्षित है और उचित दस्तावेज पेश करने पर इसे लिया जा सकता है। अगर संपत्ति लंबे समय तक दावा न की जाए तो यह एक संस्था से दूसरी संस्था में ट्रांसफर हो जाती है। सीतारमण ने गुजरात ग्रामीण बैंक की भी सराहना की, जिसने उन्हें आश्वासन दिया था कि उसके अधिकारी राज्य के प्रत्येक गांव में जाकर बैंक में पड़ी लावारिस जमा राशि के असली मालिकों की तलाश करेंगे।

6 करोड़ बच्चों को यूआईडीएआई का गिफ्ट, आधार में बायोमेट्रिक अपडेट अब एकदम फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। उसने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-1) के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस फैसले से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा होने की उम्मीद है। 1 अक्टूबर 2025 से यह छूट प्रभावी हो चुकी है। एक साल तक यह लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने 1 अक्टूबर 2025 से अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इससे लगभग 6 करोड़ बच्चों को एक वर्ष की अवधि के लिए लाभ मिलेगा। उनके बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद मिलेगी। यह फैसला 5-17 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट को प्रभावी रूप से मुफ्त बनाता है। इससे स्कूल में प्रवेश, स्कॉलरशिप और डीबीटी योजनाओं जैसी सेवाओं का लाभ उठाना आसान हो जाएगा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस कदम से लगभग 6 करोड़ बच्चों को फायदा मिलने की उम्मीद है। यह छूट 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है। यह छूट एक वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगी। यह कदम बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा को अपडेट रखने में मदद करेगा। पहले, बायोमेट्रिक अपडेट के लिए शुल्क लिया जाता था। पहला और दूसरा एमबीयू अगर 5-7 और 15-17 वर्ष की आयु के बीच किया जाता था तो फ्री था।

क्या कहते हैं नियम

पांच साल से कम उम्र का बच्चा फोटो, नाम, जन्म तिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान करके आधार के लिए नामांकन करते हैं। अब जब भी इन बच्चों को अपना बायोमैट्रिक अपडेट कराना होगा तो एक भी रुपये की फीस नहीं लगेगी। बच्चे के पांच वर्ष की आयु तक पहुंचने पर पहला अनिवार्य बायोमैट्रिक अपडेट कराना होता है। यह अपडेट बच्चे के आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस और फोटो को शामिल करता है। इसी प्रकार बच्चे को 15 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर एक बार फिर से बायोमैट्रिक्स अपडेट करने की आवश्यकता होती है। इसे दूसरा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कहा जाता है।

एसआईपी के तीर से वित्तीय अनुशासनहीनता के 10 सिरों को हराएं

एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता पहल

मुंबई, एजेंसी।
नवरात्रि का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, और यह हमारे व्यक्तिगत संघर्षों - खासकर वित्तीय अनुशासन से जुड़ी जंग पर विचार करने का भी सही समय है। आपके पास इन सभी बुराईयों को हराने के लिए एक तीर होना चाहिए? एक साधारण मगर शक्तिशाली एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान)। निरंतरता और अनुशासन के साथ, आपका एसआईपी इन जंग को जीतने में मदद कर सकता है।

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

जैसे रावण कर हर सिर एक बुराई का प्रतीक था, वैसे ही नीचे दिए गए दस सिर सामान्य वित्तीय समस्याओं को दर्शाते हैं। आइए इन्हें पहचानें और इन्हें खत्म करें ताकि आपकी वित्तीय सेहत बेहतर हो।

1. **टालमटोल –मैं अगले महीने से निवेश शुरू करूंगा:** निवेश में देरी करना धन नष्ट करने का सबसे बड़ा कारण है। जितना देर करेंगे, उतना ही आप कंपाउंडिंग का लाभ खो देंगे। जल्दी शुरू करें, नियमित रहें, और म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करें ताकि कंपाउंडिंग और रुपये की लागत औसत का फायदा मिले।
2. **आपातकालीन फंड की कमी - जीवन की अनिश्चितताओं के लिए तैयार न होना:** अचानक होने वाली घटनाएं जैसे मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, प्राकृतिक आपदा– कभी भी आ सकती हैं। बिना इमरजेंसी फंड के आप वित्तीय और भावनात्मक तनाव में पड़ सकते हैं। आक्रामक निवेश से पहले एक सुरक्षा जाल बनाएं।
3. **आवेगपूर्ण खर्च ङ्क अनियोजित खरीदारी का दौर:** निवेश तोड़ना या तुरंत खुशी के लिए ज्यादा खर्च करना आपके वित्तीय लक्ष्यों को पटरी से उतार सकता है। जीवनशैली में सुधार ठीक है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। खर्च और अनुशासित निवेश में संतुलन बनाएं।
4. **बजट की कमी - आय और खर्चों की कोई स्पष्टता नहीं :** अगर आप अपनी आय और खर्चों का हिसाब नहीं रखते, तो बचत की योजना नहीं बना सकते। बजट बनाना वित्तीय अनुशासन की नींव है - यह आपको जरूरी चीजों, बचत और निवेश के लिए धन आवंटित करने में मदद करता है।
5. **कर्ज का जाल - क्रेडिट कार्ड बिलों का ढेर। :** अभी खरीदें, बाद में चुकाएं जल्दी ही कर्ज के जाल में बदल सकता है। क्रेडिट कार्ड के ब्याज आपके बचत को खा सकते हैं और निवेश में देरी कर सकते हैं।

कर्ज कम करें और उस धन को एसआईपी में डालें।

6. अल्पकालिक सोच ङ्क जल्दी रिटर्न पाने की चाहत।

जल्दी अमीर बनने के लालच से जोखिम भरे फैसले हो सकते हैं। रैंडम टिप्स या ट्रेंड्स का पीछा करने से नुकसान हो सकता है। दीर्घकालिक धन सृजन पर ध्यान दें।

कंपनी के हाथ लगा 2 बड़ा वर्क ऑर्डर, ई-बस चार्जिंग स्टेशन का काम

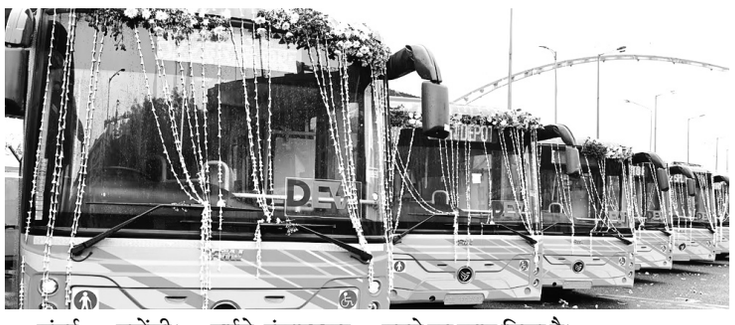

मुंबई, एजेंसी। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दो बड़े वर्क ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। इन दोनों वर्क ऑर्डर की वैल्यू 1-1 करोड़ रुपये से अधिक की है। अब सोमवार को कंपनी के शेयरों पर नजर बनाए रखनी होगी। बता दें, हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ इसी साल अगस्त के महीने में आया था।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें पीएम-ई बस सेवा के तहत देवास नाका डिपो पर ई-बस चार्जिंग स्टेशन बनाना है। इस वर्क ऑर्डर की कुल वैल्यू 1.08 करोड़ रुपये की है।

दूसरा वर्क ऑर्डर भी कंपनी को चार्जिंग स्टेशन के लिए ही मिला है। यह वर्क ऑर्डर भी पीएम-ई बस सेवा के अंतर्गत आता है। नायता मुंडला में कंपनी को 1.96 करोड़ रुपये का काम मिला है।

हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर 80.11 रुपये के लेवल पर थे। कंपनी के आईपीओ का 52 वीक हाई 134.89 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो लेवल 78.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 574.55 करोड़ रुपये का है। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ 5 अगस्त को खुला था। कंपनी का आईपीओ 7 अगस्त तक ओपन था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 65 रुपये से 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। हाईवे-इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की लिस्टिंग बीएसई में 67.14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 117 रुपये पर हुई थी।

बोनस शेयर की बरसातहोगी, चार कंपनियां ट्रेड करेंगी पूर्व-बोनस, डीटेल्स

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में इस हफ्ते 4 कंपनियां एक्स-बोनस ट्रेड करेंगी। बोनस के लिहाज से देखें तो यह हफ्ता काफी व्यस्त रहने जा रहा है। आइए एक-एक करके सभी कंपनियों के विषय में जानते हैं। 10 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। पेनी स्टॉक की तरफ से सोमवार यानी 6 अक्टूबर की तारीख को एक्स-बोनस डेट घोषित किया गया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। बता दें, शुक्रवार को जूलियन एग्रो इंफ्राटेक लिमिटेड के शेयर 2.42 प्रतिशत की गिरावट के बाद 6.86 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 50 प्रतिशत से अधिक गिरा है। कंपनी 7 अक्टूबर को शेयर बाजारों में एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 3 शेयर योग्य निवेशकों को बोनस के तौर पर दिया जाएगा। शुक्रवार को मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर यह स्टॉक 319 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बता दें, 1 सा में कंपनी के शेयरों में 36 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी ने भी निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि 10 अक्टूबर को यह स्टॉक एक्स-बोनस ट्रेड करेगा। पिछले एक साल में 409 प्रतिशत का रिटर्न देने वाला यह स्टॉक शुक्रवार को बीएसई में 202.80 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी अपने निवेशकों को 2 पर 1 शेयर बोनस के तौर पर बांटने का फैसला किया है। इस बोनस इश्यू के लिए 10 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के पास एक शेयर रहेगा उन्हें 2 शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। इस कंपनी ने एक साल में 68 प्रतिशत का रिटर्न पोजीशनल निवेशकों को दिया है।

एलजी इंडिया ना लूट ले जाए आईपीओ की महफिल

जीएमपी अभी से दिखा रहा 228 का फायदा

मुंबई, एजेंसी।
इस हफ्ते दो बड़ी कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। ये दो कंपनियां टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड हैं। एलजी इंडिया का आईपीओ 7 अक्टूबर से खुलेगा। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जिसकी वजह से बाजार में चर्चा शुरू हो गई है कि कहीं एलजी इंडिया ना लूट ले जाए इस हफ्ते की आईपीओ की महफिल।

एलजी इंडिया के आईपीओ का साइज क्या है?: इस मेनबोर्ड आईपीओ का साइज 11607.01 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। यानी आईपीओ से जुटाए पैसे कंपनी को नहीं मिलेंगे। बता दें, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कोई भी नया शेयर इश्यू के जरिए नहीं जारी कर रही है। इसी पूरे आईपीओ में यही एक चिंता की बात है।

क्या है एलजी इंडिया के आईपीओ का प्राइस बैंड: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 1080 रुपये से 1140 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 13 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 14820 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को 108 रुपये की छूट दी है।

ग्रे मार्केट ने भरा उत्साह

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ ग्रे मार्केट में जिस तरह से प्रदर्शन कर रहा है। उससे निवेशकों में काफी उत्साह है। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार एलजी इंडिया का आईपीओ आज रविवार को 228 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 20 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। एलजी इंडिया का आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें, इस मेनबोर्ड आईपीओ का सबसे कम जीएमपी 2 अक्टूबर को था। तब ग्रे मार्केट में आईपीओ 146 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।

रफ्तार पकड़ रहा भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, 2030 तक 8 लाख करोड़ होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग डिजाइन, इंजीनियरिंग और उत्पादन के क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है। अगले पांच वर्षों में इसके 20 से 25 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर से बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 7 से 8 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। केयरएज रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 तक ईएसडीएम बाजार को स्मार्टफोन की बढ़ती मांग उद्योग के विकास को गति देगी।

ईएसडीएम में लागत सुधार से उद्योग को गति मिल रही: केयरएज रिसर्च की वरिष्ठ निदेशक तन्वी शाह कहती हैं कि वैश्विक निर्माताओं का भारत में अपना आधार स्थापित करना, सरकार का नीतिगत समर्थन, क्षेत्रिय विनिर्माण केंद्र और ईएसडीएम की लागत में सुधार की वजह से इस उद्योग को गति मिल रही है। वे कहती हैं कि ईएसडीएम उद्योग को गति प्रदान करने मुख्य कारण ये होंगे, पहला घरेलू बाजार में स्मार्टफोन की बढ़ती मांग, दूसरा सरकार का नीतिगत समर्थन और तीसरा देश की अगली युवा पीढ़ी, जो भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रही है।

स्मार्टफोन की बढ़ती मांग बदलेगी ईएसडीएम उद्योग की तस्वीर

रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन सेगमेंट लगभग दो लाख करोड़ रुपये का था और अगले 5 साल में इसके 23 से 25 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ने का अनुमान है। स्मार्टफोन की बदौलत भारत का ईएसडीएम बाजार 2030 तक दोगुना होकर 7 से 8 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वृद्धि घरेलू बाजार में बढ़ती मांग, सरकारी नीतिगत

नीतिगत प्रोत्साहन और टेक इनोवेशन से मिलेगी रफ्तार: रिपोर्ट के अनुसार भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चर्स इकोसिस्टम पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। केयरएज रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर प्रवीण परदेसी कहते हैं कि इसकी मुख्य वजह सरकार की प्रोत्साहन योजना (पीएलआई, एनपीई, डिजिटल इंडिया), वैश्विक आईएम आउटसोर्सिंग और स्किल वर्कफोस पर जोर देना रहा है।

समर्थन और बढ़ते निर्यात के साथ वैश्विक और स्थानीय निर्माताओं की मजबूत भागीदारी की वजह से होगी। रिपोर्ट का मानना है कि किफायती स्मार्टफोन और कम लागत वाली डेटा योजनाओं ने इंटरनेट की पहुंच को सभी के लिए आसान बना दिया है। महानगरों के साथ ही टियर 2 और 3 शहरों में स्मार्टफोन और उससे जुड़े उपकरणों की अच्छी मांग है। रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच, डिजिल इंडिया और भारत नेट जैसी सरकारी पहल के साथ बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण और एसेंबली सेवाओं की जरूरतें इस उद्योग को और मजबूत कर रही है। भविष्य में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और डिशवॉशर जैसे उपकरणों पर हाल में हुई जीएसटी कटौती से बल मिलेगा। इन उपकरणों पर अब 18 प्रतिशत (पहले 28 प्रतिशत से कम) कर लगता है। इसकी तुलना में छोटे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पर 12 प्रतिशत कर लगता है। इन कटौतियों से सामर्थ्य में सुधार, बिक्री में वृद्धि और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और रिटले क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

अगली पीढ़ी भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स के नेतृत्व की ओर बढ़ाएगी

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था वाइड डिजिटलीकरण में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता डिजिटल अपनाने के मामले में त्र-20 देशों में 12वें स्थान पर है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था संपूर्ण अर्थव्यवस्था की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ रही है, जो 2029-30 तक राष्ट्रीय आय में लगभग पांचवां हिस्सा योगदान देगी। युवाओं द्वारा डिजिटल तकनीकों को अपनाने में वृद्धि की वजह से लगातार एडवांस डिवाइज और इलेक्ट्रॉनिक इफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ रही है। यह भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। एआई व इलेक्ट्रॉनिक उद्योग के जानकार एवं विशेषज्ञ राजीव कौस्तुब कहते हैं कि देश की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग योजना को 1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव मिला है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए शानदार अवसर है। इससे छोटे और मध्यम आकार के उद्योग को लाभ होगा। साथ ही नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वे कहते हैं कि देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरा रहा है, जिसने देश को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पिछले पांच वर्ष में 21 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि (सीएजीआर) दर्ज की गई है और यह वित्त वर्ष 2025 में 16.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसे सरकारी योजनाओं, मजबूत घरेलू मांग और अनुकूल नीतिगत माहौल का समर्थन मिला है।

नहीं.. अब ऐसे भी बन सकते हैं सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए सिर्फ आप पीएचडी करके ही नहीं, बल्कि आप अन्य तरीकों से भी ये पद पा सकते हैं। आइए हम इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं।

हर साल कई छात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने की चाहत के साथ पीएचडी डिग्री या यूजीसी नेट परीक्षा में शामिल होते हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए पहले पीएचडी करना जरूरी होता था। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (व्नष्ट) की आधिकारिक सूचना के अनुसार, सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए अब जरूरी नहीं कि वे पीएचडी करे ही। अभ्यर्थी अब अन्य परीक्षा देकर भी प्रोफेसर का पद हासिल कर सकते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि पीएचडी की मान्यता खत्म हो गई है। आपको बता दें कि अभ्यर्थियों के पास दो में एक योग्यता होना जरूरी है।

पीएचडी के अलावा ऐसे बन सकते हैं असिस्टेंट प्रोफेसर

कॉलेज या विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद के लिए आवेदन करने के लिए GC NET न्यूनतम मानदंड है। नेट के अलावा, SET और SLET परीक्षा भी उन उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम पात्रता मानदंड है, जो असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहते हैं। पीएचडी भी मान्य है, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि कैंडिडेट के पास पीएचडी की डिग्री होना अनिवार्य है। आपको बता दें, यूजीसी नेट, सेट या स्लेट उत्तीर्ण सभी उम्मीदवार असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी के लिए पात्र हैं।

क्या है NET, SET और SLET

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से हर साल यूजीसी नेट (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में 75 फीसदी से पास होने वालों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप यानी JRF मिलता है। वहीं, पास होने वाले कैंडिडेट्स को ह्यश्वञ सर्टिफिकेट मिलता है। नेट पास होने के बाद PhD में दाखिला ले सकते हैं या आप चाहें तो असिस्टेंट प्रोफेसर भी बन सकते हैं। बात SET की बात करें तो यह स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो राज्य स्तर पर कराई जाती है, वहीं SLET का पूरा नाम स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो कि असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के न्यूनतम पात्रता मानदंड में से एक माना जाता है।

इंटर्नशिप से आपको मिल सकते हैं बेहतरीन जॉब ऑफर, इस तरह से उठाएं इंटर्नशिप का फायदा

पेशे की बारीकियां समझने के साथ अच्छे जॉब ऑफर के लिए इंटर्नशिप काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इंटर्नशिप के दौरान वर्क कल्चर समझने में भी आसानी होती है।

आप किसी पेशे में अच्छा कर सकती हैं या नहीं, यह जानने का सबसे अच्छा जरिया है इंटर्नशिप। इंटर्नशिप के छोटे से टाइम पीरियड में आपको उस पेशे से जुड़े काम, वर्क कल्चर और भविष्य की संभावनाओं का अंदाजा लग जाता है। इस दौरान वर्कप्लेस पर मिलने वाले इनपुट्स को आप अपनी प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए बखूबी इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानें इंटर्नशिप से जुड़े कुछ अहम पहलुओं के बारे में-

आजकल जॉब से पहले इंटर्नशिप नौकरी का प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा हो गया है। इससे इम्प्लॉयर्स को फ्रेशर्स की क्षमता का अंदाजा लग जाता है और वे उसके प्रोफेशनल बिहेवियर के बारे में भी अच्छी तरह से समझ लेते हैं, वहीं इम्प्लॉई भी अपने लिए अच्छी संभावनाएं तलाश सकते हैं।

इंटर्नशिप से मिलते हैं ये फायदे

- पेशे से जुड़ी स्किल्स सीखने का अच्छा मौका मिलता है।
- इंटर्नशिप से कॉन्फिडेंस बढ़ता है, जिसका फायदा जॉब इंटरव्यू में मिल सकता है।
- इंटर्नशिप में वास्तविक माहौल में काम करने से नॉलेज बढ़ती है।
- इंटर्नशिप के दौरान पेशे की बारीकियों से गुजरते हुए आप अपने इंट्रस्ट के बारे में बेहतर तरीके से समझ पाती हैं और उसके अनुसार संभावनाएं तलाश सकती हैं।
- इंटर्नशिप करते हुए अच्छी नेटवर्किंग डेवलप करने से आप सीनियर्स के रेकमेंडेशन पर कई जगह बेहतरीन जॉब ऑफर पा सकती हैं।
- किताबी पढ़ाई से कहीं ज्यादा दिलचस्प है एक्चुअल वर्किंग।
- इंटर्नशिप का एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट आपके रेज्यूमे को मजबूत बनाता है। वहीं इंटर्नशिप में स्टाइपेन्ड मिलने से आपके लिए थोड़ी सहूलियत भी बढ़ जाती है।

इंटर्नशिप का समय है बेहद कीमती

इंटर्नशिप के समय का आप भरपूर फायदा उठा सकें, इसके लिए आपको पहले से ही अच्छी प्लानिंग करने की जरूरत है। इस दौरान आप अपने क्वालिटी काम के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हो सकती हैं। आइए जानें कि आप इसके लिए सही स्ट्रेटेजी किस तरह से तैयार कर सकते हैं-

- जिस पेशे में जाने की सोच रहे हैं, उसके बारे में अच्छी रिसर्च करें। जिस कंपनी में इंटर्नशिप करना चाहते हैं, उसके वर्क कल्चर के बारे में भी जानें। इससे कंपनी में होने वाली गतिविधियों को आप बेहतर परिप्रेक्ष्य में समझ पाएंगी और कंपनी के बारे में जानने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
- अपने काम की सराहना से जुड़े कागजात या ई-मेल अलग सेफ तरीके से रखें और इनका जॉब इंटरव्यू में इस्तेमाल करें। इससे इम्प्लॉयर्स पर आपके काम का अच्छा प्रभाव पड़ता है।
- इंटर्नशिप के दौरान एक काम खत्म कर लेने के बाद दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए उत्साह दिखाएं और सीनियर्स को बताएं कि आप किस तरह से उपयोगी साबित हो सकते हैं। इटर्न का ताजातरीन और अलग नजरिया अकसर कंपनी के लिए फायदेमंद साबित होता है।
- ऑफिस इंप्लॉईज के साथ लंच, कंपनी के किसी भी तरह के प्रोग्राम में जरूर हिस्सा लें। इससे आप उनके साथ अच्छी नेटवर्किंग डेवलप कर सकती हैं।
- टाइम पर ऑफिस पहुंचें और ड्रेस कोड का भी ध्यान रखें। इससे यह जाहिर होगा कि आप कितनी ज्यादा अनुशासित हैं।

इंटर्नशिप में दिए जाने वाले छोटे-छोटे काम भी इंपॉर्टेंट होते हैं, इसलिए उन्हें पॉजिटिविटी के साथ करें।

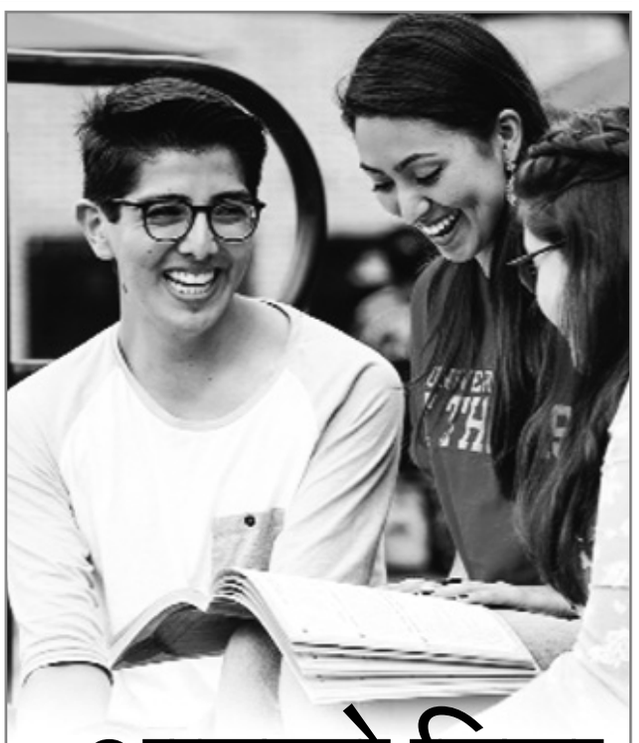

आपको बिना एग्जाम दिए भी मिल सकती है सरकारी नौकरी

आमतौर पर हर कोई चाहता है कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। ऐसे में हम आज आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ऐसी नौकरी की जानकारी जिनके लिए आपको एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

अक्सर लोग सोचते हैं कि काश बिना एग्जाम क्लियर किए ही सरकारी नौकरी लग जाए। बता दें कि ऐसा सच में हो सकता है। अब आप सवाल करेंगे कि वो कैसे? दरअसल बहुत सारी सरकारी नौकरियां ऐसी भी हैं जिनके लिए एग्जाम नहीं देना पड़ता है।

300 सरकारी नौकरीयों के लिए नहीं देना पड़ता है पेपर

आमतौर पर हम लोग यही सोचते हैं कि सरकारी नौकरी के लिए एग्जाम देना पड़ता है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। भारत में लगभग 300 सरकारी नौकरी ऐसी हैं जिनके लिए आपको किसी भी तरह का एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स में करें जॉब

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्वारा समय-समय पर सरकारी जॉब निकाली जाती हैं जिनके लिए आपको एग्जाम देने की जरूरत नहीं है। कंटेंट राइटर, एडीटर और रिसर्चर जैसे कई पदों के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स बिना एग्जाम के आवेदन मंगवाती है। इसके पढ़ाई और एक्सपीरियंस का अलग कराइटेरीया होता है। सभी उम्मीदवारों की योगया को ध्यान में रखकर ही सिलेक्शन होता है।

आईआरसीटीसी

आईआरसीटीसी में आप बिना पेपर दिए इंटर्नशिप पा सकते हैं। इसके साथ-साथ आईआरसीटीसी अलग-अलग पदों पर उम्मीदवारों का चुनाव करने के लिए वॉक इन भी निकालता है जिसका आवेदन कर आपको इंटरव्यू देना होगा जिसके बाद आपकी नौकरी लग जाएगी।

एनआईईपीआईडी

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एंपावरमेंट ऑफ पर्सन विद इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी विभाग द्वारा भी हॉस्पिटैलिटी मॉनिटर की भर्ती निकाली जाती है जिसे लिए आपको 35 हजार सैलरी के साथ और भी कई बेनिफिट मिलते हैं।

इंटर्नशिप भी है अच्छा विकल्प

सरकारी नौकरी के लगभग हर विभाग द्वारा इंटर्नशिप भी निकाली जाती हैं। इन इंटर्नशिप में आवेदन करने का एक निश्चित समय होता है। इंटर्नशिप करने पर मिलने वाला स्टाइपेंड काफी अच्छा होता है।

पहली बार में ही क्वालीफाई करना चाहते हैं यूजीसी नेट, तो इन टिप्स को फॉलो करें

अगर यूजीसी नेट का पैटर्न मालूम हो और कुछ टिप्स का ध्यान रखा जाए, तो आसानी से एग्जाम क्लीयर किया जा सकता है।

सरकारी नौकरी की चाहत किसे नहीं होती....हर कोई अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यही चाहता है कि बस उसे कैसे भी करके सरकारी नौकरी मिल जाए। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिंदगियां बदल जाती हैं। यही वजह है कि देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं, तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा। यहां के लोग सपना ही सरकारी नौकरी पाने का देखते हैं। इसलिए लोग एक राज्य से दूसरे राज्य जाकर एग्जाम की तैयारियां करते हैं। हालांकि, यह सिलसिला काफी पुराना है, भारत में सरकारी नौकरी एक अच्छी और सुकून भरी लाइफ की डेफिनेशन है। अगर आप किसी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, खासतौर से यूजीसी नेट की तो इस लेख में बताए गए टिप्स मददगार साबित हो सकते हैं।

यूजीसी नेट की तैयारी कैसे करें?

एग्जाम क्लीयर करने के लिए जरूरी है यूजीसी नेट के पैटर्न को समझना। बता दें कि नेट के परीक्षा में को प्रश्न पेपर होते हैं, जिसमें पहला पेपर बेसिक जीके का होता है। वहीं, दूसरा पेपर छात्रों के विषय के चुनाव पर आधारित होता है। यह वही विषय होता है जिसमें एग्जाम क्लीयर किया जाता है। मगर इसमें उन सब्जेक्ट को सेलेक्ट किया जा सकता है, जिसमें आपने बैचलर की डिग्री ली होगी।

पुराने प्रश्न को हल करें

अगर आपको पैटर्न मालूम है, तो बेस्ट रहेगा कि पुराने प्रश्न को हल किया जाए। इससे दो फायदे होंगे...पहला हमें पता चलेगा कि एग्जाम में किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं। दूसरा एग्जाम टाइम के अनुसार पूरा करने के लिए हमें किस-किस चीजों पर ध्यान देना है। इससे न सिर्फ नॉलेज बढ़ेगी बल्कि स्पीड भी बढ़ेगी। एग्जाम तैयारी के लिए ध्यान रखें कि लास्ट ईयर के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें, ताकि उन्हें उन सब्जेक्ट्स के बारे में आइडिया मिल सके।

सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं

पहली बार में एग्जाम को क्वालीफाई करना मुश्किल काम नहीं है। बस आपको थोड़ा फोकस करने की जरूरत है। तैयारी करने के लिए आपको बस रेफरेंस बुक्स, मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस पेपर्स पर फोकस करना है। साथ ही, एग्जाम को क्लीयर करने के लिए अहम सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं और फिर तैयारी करें। टाइम टेबल बनाएं और रोजाना टाइम के हिसाब से प्रैक्टिस करें। इससे परीक्षा की तैयारी स्पीड के साथ करने में मदद मिलेगी।

शॉर्ट नोट्स तैयार करें

तैयारी के दौरान हमेशा महत्वपूर्ण टॉपिक्स या फॉर्मूला यानि कि सूत्र के शॉर्ट नोट्स जरूर तैयार करें। खुद बनाए गए नोट्स रिविजन के दौरान मदद करेंगे क्योंकि इसकी वजह से आपको पूरे पाठ को दोबारा पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप अपने शॉर्ट नोट्स की मदद से बहुत जल्द सभी पाठों का रिविजन कर सकेंगे।

जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टांसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी। नई दिल्ली में पहली बार आयोजित की जा रही प्रतियोगिता में हिमाचल के लाल ने 2.14 मीटर की ऊंची कूद लगाकर वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के नाम गोल्ड मेडल हासिल किया। शुक्रवार शाम को टी-47 श्रेणी के मुकाबले में निशाद ने यह उपलब्धि हासिल कर देश और प्रदेश का पूरी दुनिया में नाम रोशन कर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब हासिल कर लिया। वैसे तो निशाद खेलों की दुनिया में पहले ही पहचान बन चुके हैं। उन्होंने टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार रजत पदक जीतकर देश का परचम दुनिया भर में लहरा दिया। जिला ऊना के छोटे से गांव बदाऊं का लाल आज पैरालंपिक खेलों में देश के लिए मेडल की गारंटी बन चुका है। महज छह साल की उम्र में चारा काटने की मशीन में हाथ गंवाने से लेकर वर्ल्ड चैंपियन बनने तक के सफर में निशाद और परिवार ने बहुत संघर्ष किया।

निरंतर अभ्यास के बाद वह पहली बार फाजा वर्ल्ड ग्रैंड प्रिंक्स में खेलने गए, जहां स्वर्ण पदक जीता। उसी मैदान में नवंबर 2019 को अपनी पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इसके बाद भारत को टोक्यो पैरालंपिक का कोटा मिला, जहां रजत पदक हासिल किया। सितंबर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में भी वही कारनामा दोहरा कर खेलों के क्षेत्र में हिमाचल और देश की शान बढ़ाई। उनके पिता एक राज मिस्त्री का काम करते थे और माता गृहिणी हैं।

वर्ल्ड कप से पहले ही कोहली-रोहित का करियर होगा खत्म!

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था. शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है. बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल ने भरी हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।

राहुल तेवतिया का खुलासा, इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं। जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर। तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 144 है। गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/98 रहा है। टी20 में उनके नाम 2107 रन और 69 विकेट हैं, जो उनके ऑलराउंड प्रदर्शन को दर्शाते हैं।

वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सबर्ब्स की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी. हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था.

प्रवीण ने कूल्हे की चोट के बावजूद ऊंची कूद में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में सबकी नजरें प्रवीण कुमार पर टिकी थीं। प्रवीण, जिन्होंने पहले भी कई बार देश को गौरवान्वित किया है, ने शनिवार को यहां अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की ऊंची कूद टी64 में उनका रन-अप सबसे छोटा था। दौड़ने से पहले, उन्होंने उत्साही दर्शकों को शांत होने का इशारा किया ताकि वे बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। वे हर तरह से एक मिशन पर थे। उन्होंने पूरे आयोजन में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 2.03 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ग्रेट ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवर्ड्स ने 2.00 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। काउंटबैक में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रवीण निराश दिखे और उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त की, और उम्मीदों पर खरा न उतर पाने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा, मुझे कांस्य पदक तो मिल गया, लेकिन मैं अगली बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। मेरे कूल्हे में चोट थी। मेरे कूल्हे के बीच में दर्द था। और इसी वजह से मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। महिला क्लब थ्रो एफ51 में एकता भयान के रजत पदक ने स्थानीय समर्थकों का उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने 19.80 सेकंड के साथ सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

एकता अपने परिणाम से संतुष्ट दिखीं। उन्होंने कहा, हां, एशियाई खेलों में मेरा प्रदर्शन 21 मीटर से ज्यादा था। मैंने विश्व चैंपियनशिप [कोबे 2024] में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन हां, मेरा प्रदर्शन ठीक-ठाक है और मैं इससे खुश हूं। अब सबका ध्यान रविवार को होने वाली 200 मीटर टी12 स्पर्धा के लिए सिमरन और पेरिस पैरालंपिक एफ41 भाला फेंक स्वर्ण विजेता नवदीप सिंह पर है। शनिवार को 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने अपनी हीट में सभी प्रतियोगियों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

बीएफआई कप

मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में विश्व कप कांस्य पदक विजेता मनीष राठौर (एआईपी), अंडर-22 एशियाई कांस्य पदक विजेता रॉकी (एआईपी) और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (सेना) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखा।

क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइड इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।

सब्सटीट्यूट का यह ट्रॉयल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल

साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हशेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपेंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपेंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट

ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है। ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। वे सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिप्लेसमेंट केवल कन्कशन (सिर पर लगी चोट) के लिए ही मान्य है।

न्यूज डायरी

एमसीएम में गांधी जयंती पर महात्मा गांधी के जीवन और विचारों पर आधारित 'बुक हंट' प्रतियोगिता का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय चंडीगढ़ के पुस्तकालय द्वारा 'बुक हंट प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पठन-पाठन की रुचि को प्रोत्साहित करना और छात्रों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन, दर्शन और शिक्षाओं को और गहराई से जानने के लिए प्रेरित करना था।

प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक महात्मा गांधी के जीवन, कार्यों और विचारों से संबंधित पुस्तकों की खोज की, जिससे यह प्रतियोगिता बौद्धिक रूप से प्रेरक और सहभागितापूर्ण बन गई। विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और उत्साह के लिए प्रमाणपत्रों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

गांधी जयंती समारोह को और समृद्ध करने के लिए कॉलेज ने रामकृष्ण मिशन मोबाइल लाइब्रेरी वैन – 'विवेक वाहिनी' के साथ भी सहयोग किया, जो कॉलेज परिसर में स्थित रही। इस मोबाइल बुक वैन में स्वामी विवेकानंद के साहित्य, उपनिषद, भगवद्गीता, ध्यान से संबंधित पुस्तकें और व्यक्तित्व विकास पर आधारित प्रेरणादायक साहित्य का समृद्ध संग्रह उपलब्ध कराया गया। यह पहल गांधी जयंती के उत्सव को और अर्थपूर्ण बनाते हुए छात्रों के नैतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक मूल्यों की समझ को गहरा करने में सहायक रही।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल विद्यार्थियों में पठन की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं बल्कि उन्हें महान चिंतकों की शाश्वत शिक्षाओं को आत्मसात करने के लिए भी प्रेरित करती हैं। उन्होंने कॉलेज पुस्तकालय की इस पहल की प्रशंसा की जो छात्रों में जिज्ञासा और आजीवन सीखने की भावना को विकसित करती है।

वोकल फॉर लोकल के संकल्प के साथ मनाएं इस बार की दिवाली : राव नरबीर सिंह

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य तथा पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस बार हर देशवासी को "वोकल फॉर लोकल" के संकल्प के साथ स्वदेशी दीपों से दिवाली मनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों पर खर्च किया गया हर रुपया न केवल देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि रोजगार सृजन में भी योगदान देगा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करेगा।

राव नरबीर सिंह गुरुग्राम जिला के फर्रुखनगर में प्रजापति कुम्भकार संघ द्वारा आयोजित 9वें मिशन माटी दीप महोत्सव कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सामुदायिक केंद्र परिसर में एक साथ सामूहिक रूप से 5151 दीपों का प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने नगर पालिका फर्रूखनगर कार्यालय और लाइब्रेरी भवन का भी शिलान्यास किया।

उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल – लोकल फॉर ग्लोबल' दृष्टिकोण को आज देशभर में अद्भुत समर्थन मिल रहा है। हर नागरिक का यह नैतिक दायित्व है कि वह राष्ट्रहित में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे और विदेशी वस्तुओं की निर्भरता को कम करे। उन्होंने प्रजापति समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि "प्रजापति समाज हमारी परंपराओं, संस्कृति और स्वदेशी पहचान का जीवंत प्रतीक है। उनके द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीए न केवल घरों में उजाला करते हैं बल्कि भारतीय कला और कौशल का संदेश भी देते हैं।"

राव नरबीर सिंह ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे इस बार प्लास्टिक मुक्त दीपावली मनाएं। उन्होंने कहा कि "प्लास्टिक के उपयोग को त्यागें और मिट्टी के दीयों, कपड़े के थैलों, और प्राकृतिक सजावट का प्रयोग कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

खेल केवल प्रतियोगिता ही नहीं, युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का है उत्सव- मंत्री कृष्ण लाल पंवार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। फतेहाबाद के रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव फूला में रविवार को सांसद खेल प्रतियोगिता के तहत विधानसभा स्तर के खेलों का शुभारंभ प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने की। इस प्रतियोगिता में रतिया, नागपुर और फतेहाबाद खंड के गांवों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, शक्ति और प्रतिभा का उत्सव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खेलेगा भारत, तो खिलेगा भारत का आह्वान करके खेलों को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों से देश में नई खेल संस्कृति का विकास हुआ है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ देशभर में 21 सितंबर को किया गया था, जो 25 दिसंबर तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित होगी।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने इस अवसर पर घोषणा की कि जिला फतेहाबाद के सभी 258 गांवों में खेतों के दो-दो दस एकड़ तक के रास्ते पक्के किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने गांव फूला के स्टेडियम कार्य के लिए जिला परिषद से 21 लाख रुपये, गांव के जोहड़ का जीर्णोद्धार, महिला संस्कृत केंद्र की स्थापना, इंडोर जिम और गांव फूला के खेतों के पाँच रास्ते पक्के करने की भी घोषणा की।

सूरजकुंड दिवाली मेला में गायक दीपेश राही की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशन में एवं राज्य के पर्यटन मंत्री श्री अरविन्द शर्मा के मार्गदर्शन में सूरजकुंड(फरीदाबाद) परिसर में आयोजित सूरजकुंड दिवाली मेला 2025 इस वर्ष 'आत्मनिर्भर भारत - स्वदेशी मेला' की थीम पर आधारित है। यह मेला 7 अक्टूबर 2025 तक चलेगा और देश की विविध सांस्कृतिक विरासत, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और लोक कलाओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है। गत रात्रि मेले के सांस्कृतिक मंच पर 'वॉयस ऑफ पंजाब 2013' के विजेता गायक दीपेश राही ने अपनी दमदार और भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दीपेश राही की प्रस्तुति मेले की प्रमुख आकर्षणों में से एक रही, जिसने पारंपरिक और आधुनिक संगीत का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। श्री राही ने एक के बाद एक सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दी, जिसमें "सामने होवे यार ते नाचना पैंदा है", "कजरा मोहब्बत वाला", "गुड़ नाल इश्क मिठ्ठा", "चिट्टे सूट ते दाग पे गए", "न जाई पीरा दे डेरे मस्त बना देंगे बिबा", "डॉलर वांगू नी नाम सदा चलदा", "दो गल्ला करिए बैजा", "दिल चोरी साडा हो गया" और "ये जो हल्का हल्का सुरूर है" जैसे गानों ने उपस्थित जनसमूह को झूमने और गुनगुनाने पर विवश कर दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से शताब्दी ट्रेन से दिल्ली रवाना

17 अक्टूबर को सोनीपत में प्रधानमंत्री का आगमन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज शताब्दी ट्रेन से चंडीगढ़ से दिल्ली रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की और अपने जापान दौरे तथा सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी 17 अक्टूबर को प्रदेश की वर्तमान सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है , इस समारोह में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पधारेंगे और अनेक विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। यह समारोह सोनीपत में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री ने अपने जापान के दौरे के बारे में बताया कि वे 6 से 8 अक्टूबर तक तीन दिवसीय जापान के दौरे पर रहेंगे। जापान में हरियाणा का पवेलियन लगाया गया है, जिसमें उनको शिरकत करनी है। इसके साथ ही वे कई निवेशकों से मुलाकात करेंगे और जापान में बसे हरियाणा के लोगों से भी संवाद करेंगे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की उद्योग नीति के मुताबिक जापान दौरा निवेश बढ़ाने और नए अवसर पैदा करने के लिए है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश सरकार के 1 साल पूरा होने पर दावा किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हरियाणा तीन गुना गति से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि संकल्प पत्र के 42 वायदे पूरे हो चुके हैं और 90 पर काम जारी है।

उन्होंने कहा कि राज्य की करीब 19 लाख बहनों को मात्र 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिल रहा है। सरकार के तीसरे कार्यकाल में अब तक 25 हजार युवाओं को नौकरियां दी जा चुकी हैं।

श्री सैनी ने बताया कि राज्य में पंचायत की जमीन पर 20 साल से कब्जा किए बैठे लोगों को मालिकाना हक दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 90% अंक लाने वाली अनुसूचित जाति की छात्राओं को 1.11 लाख रुपये की राशि देकर सम्मानित किया जा रहा है। हर 10 किलोमीटर की दूरी पर सीबीएसई पैटर्न पर संस्कृति मॉडल स्कूल खोले जा रहे हैं।

एनसीसी से निखरती है युवाओं में अनुशासन और नेतृत्व की भावना : हिम्मत सिंह

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत सिंह ने एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करती है। उन्होंने कैडेट्स से आह्वान किया कि वे कठिन परिस्थितियों में कभी हिम्मत न हारें और जीवन में हमेशा एक स्पष्ट लक्ष्य बनाकर उसी दिशा में निरंतर प्रयासरत रहें।

श्री हिम्मत सिंह रविवार को फरीदाबाद में आयोजित सीएटीसी-159 कैंप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह कैंप 4th हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी नूंह द्वारा 27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक आयोजित किया गया, जिसमें सत्रह स्कूलों और कॉलेजों की लगभग छह सौ गर्ल्स कैडेट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कैंप का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने कैडेट्स को उनके करियर के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि एनसीसी का अनुभव विभिन्न सरकारी नौकरियों में किस प्रकार लाभदायक सिद्ध हो सकता है। साथ ही, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से आयोजित भर्तियों से संबंधित उपयोगी जानकारी भी साझा की।उन्होंने यह बताया कि एनसीसी की गर्ल्स कैडेट्स किस तरह अपने आपको और अपने समाज को अनुशासित रख सकती हैं।श्री हिम्मत सिंह ने एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स को यह भी बताया कि किस तरह हम छोटी-छोटी चीजों को नई-नई तकनीक का प्रयोग करके अधिक प्रभावपूर्ण बना सकते हैं।

दो तेरियां दो मेरियां काव्य संग्रह का हुआ विमोचन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व पंजाबी प्रचार सभा, चण्डीगढ़ और विश्व साहित्यिक सितारे मंच के संयुक्त तत्वाधान में आज संपादित पंजाबी पुस्तक' दो तेरियां दो मेरियां' का विमोचन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन सैनी भवन सेक्टर 24 के सभागार में हुआ। इसके मुख्य अतिथि शिरोमणि बाल साहित्यकार डॉ. दर्शन सिंह आशट, विशेष अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज और अध्यक्षता डॉ बलवीर सिंह ढोल पूर्व डीपीआई पंजाब ने की। कार्यक्रम का संचालन अवतार सिंह मेहतपुरी ने किया। तत्पश्चात पंजाबी काव्य पुस्तक दो तेरियां और दो मेरियां का विमोचन हुआ इस पुस्तक में 42 कवियों की कविताएं शामिल हैं। पुस्तक पर पत्र राज कुमार साहोवालिया ने पढ़ा। पुस्तक में शामिल कवियों को इस अवसर पर सम्मानित भी किया गया। काव्य गोष्ठी में लगभग 40 कवियों ने भाग लिया, जिसमें हिंदी पंजाबी और उर्दू के कवि शामिल थे।

कवि जगतार जोग ने प्रि. बहादुर सिंह गोसल का लिखा धार्मिक गीत पेश किया। कविवर प्रेम विज ने गज़ल पेश करते हुए कहा -आदमी रंग बदलने लगा है/ गिरगिट को भी पीछे छोड़ने लगा है। डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा ने पंजाबी कविता में कहा उसे दिन होई की गल नहीं पूछ रिहा है /कि सी होया उस रात नहीं पूछ रहा। डॉ. विनोद शर्मा ने अपनी रचना में कहा- लोग स्वार्थ हैं पूरा/ दूसरों के सपने करते चूरा ।गुरदर्शन मावी ने पंजाबी कविता में कहा- समुद्र बीच डूंगी डुबकी लावां/ कुदरत रानी दे की गुण गावां ।

सुधांशु जी महाराज के सानिध्य में होने जा रहे विशाल सांस्कृतिक जागरण अभियान में शामिल होने के लिए नायब सिंह सैनी को दिया न्योता

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)।विश्व जागृति मिशन, चण्डीगढ़-पंचकूला-मोहाली मण्डल द्वारा विशाल सांस्कृतिक जागरण अभियान मिशन के संस्थापक गुरु सुधांशु जी महाराज के मार्गदर्शन में भव्य विशाल कार्यक्रम सेक्टर 5, पंचकूला स्थित शालीमार ग्राउंड में 30 अक्तूबर से 2 नवम्बर तक होगा।इस सिलसिले में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को संजय टंडन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा और कार्यक्रम संयोजक मनोज शास्त्री और साथ मे आचार्य कुलदीप पाण्डेय सहित कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति मे आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम सयोजक मनोज शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रीगण आदि इस विशाल कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम में 31 अक्टूबर को अखिल भारतीय महिला समागम होगा जबकि एक नवम्बर को शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया जायेगा और 2 नवम्बर को देश भर से आए संतों का विशाल सन्त सम्मेलन होगा। आचार्य कुलदीप पाण्डेय ने बताया कि आगामी 17 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक मिशन की नॉर्थ जोन की कार्यकारिणी की बैठक शिव धाम आश्र, मोरनी रो, पंचकूला में होगी जिसमें कार्यक्रम को लेकर सभी प्रकार योजनाओं पर विचार विमर्श होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री गुरु गोविन्द सिंह नगर ने मनाया शताब्दी वर्ष

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री गुरु गोविन्द सिंह नगर, चण्डीगढ़ द्वारा सेक्टर 21ए के मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लिवासा हॉस्पिटल चेयरमैन के डॉक्टर हरविंदर कुमार बाली और विभाग प्रचारक नरेश कुमार व विभाग संघचालक त्रिलोकीनाथ गोयल, नगर संघचालक अरुण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर हरविंदर बाली ने संघ के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि चाहे देश की आजादी या बंटवारे का समय रहा हो, चाहे 1948 में महात्मा गांधी जी की हत्या का समय हो अथवा चाहे 1975 में आपातकाल का समय रहा हो, संघ स्वयंसेवकों को उस समय की सरकारों ने बहुत कष्ट दिए परन्तु तब भी स्वयंसेवक जीवन की परवाह न करते हुए भी संघ कार्य में लगे रहे।

विभाग प्रचारक नरेश कुमार ने कहा देश को आज पांच परिवर्तन की जरूरत है। देश के प्रत्येक नागरिक को पांच परिवर्तन के कार्य करते

हुए अपने जीवन में बदलाव लाना चाहिए पांच परिवर्तन में परिवार प्रबोधन पर जोर देते हुए कहा कि अपने परिवार की कार्य पद्धति दिनचर्या को समय अनुसार और देश को आगे बढ़ाने के लिए हमें बदलाव करना चाहिए। समरसता के ऊपर बोलते हुए कहा कि बिना किसी भेदभाव के बिना किसी ऊँच-नीच के देश को आगे बढ़ाने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक को कार्यरत रहना चाहिए।

'उभरते आईटी रुझान: चुनौतियाँ और संभावनाएँ' पर 30 घंटे की कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन्स विभाग ने चंडीगढ़ प्रशासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (डीएसटी एवं आरई) के सहयोग से 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन आईटीः चैलेंजिज़ एंड ऑपोर्ट्यूनिटी' विषय पर 30 घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया। पाँच दिवसीय इस कार्यशाला का संचालन टीसीआईएल-आईटी चंडीगढ़ के विशेषज्ञ प्रशिक्षक श्री मनोज और श्री अनुप राणा ने किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को डाटा साइंस, प्रोग्रामिंग तथा मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक दक्षताओं से सुसज्जित करना था। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए उन्हें विश्लेषणात्मक एवं विज़ुअलाइज़ेशन टूल्स के माध्यम से वास्तविक जीवन की चुनौतियों का समाधान करना सिखाया गया। सत्र की शुरुआत डाटा साइंस और पाइथन प्रोग्रामिंग के महत्व एवं उनके विविध क्षेत्रों — जैसे स्वास्थ्य सेवा, ई-कॉमर्स, शिक्षा तथा शासन — में अनुप्रयोगों पर चर्चा से हुई, जहाँ डाटा-आधारित दृष्टिकोण निर्णय-प्रक्रिया को नई दिशा

दे रहे हैं। प्रतिभागियों ने गूगल कोलैब, क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म, का उपयोग करते हुए पाइथन कोडिंग का अभ्यास किया और बिना उच्चस्तरीय हार्डवेयर के प्रोजेक्ट्स पर कार्य करना सीखा। इसके साथ ही उन्होंने डाटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीकों तथा एक्सप्लोरेटरी डाटा एनालिसिस (ईडीए) का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, जिससे डाटा प्रवृत्तियों को समझना, पैटर्न पहचानना और उपयोगी निष्कर्ष निकालना आसान हुआ।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग की अवधारणाओं से भी अवगत कराया गया, जिसमें सुपरवाइज्ड और अनसुपरवाइज्ड लर्निंग एल्गोरिद्म का परिचय दिया गया। संसाधन व्यक्तियों ने लीनियर एवं लॉजिस्टिक रिग्रेशन, डिसीजन ट्री, रैंडम फॉरेस्ट और के-मींस क्लस्टरिंग जैसी तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया तथा यह समझाया कि यह तकनीकें प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और ग्राहक वर्गीकरण में किस प्रकार सहायक हैं। समापन सत्र में गिटहब के माध्यम से प्रोजेक्ट डिप्लॉयमेंट का प्रदर्शन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को ओपन-सोर्स सहयोग तथा आईटी क्षेत्र में व्यावसायिक पोर्टफोलियो के महत्व की जानकारी मिली। समापन अवसर पर अपने संबोधन में कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने विभाग द्वारा आयोजित इस व्यवसायोन्मुख और कौशल-वर्धक पहल की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को तेजी से हो रहे तकनीकी विकास के साथ जुड़े रहने और आईटी के उभरते क्षेत्रों में निरंतर संलग्न रहने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, "इस प्रकार की कार्यशालाएँ न केवल विद्यार्थियों को वर्तमान उद्योग की माँगों के लिए तैयार करती हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के नवोन्मेषक और समस्या-समाधानकर्ता बनने के लिए भी सक्षम बनाती हैं।"

अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति द्वारा श्री णमोकार महामंत्र पाठ एवं भक्तामर दीपार्चना का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाला श्री णमोकार महामंत्र पाठ एवं भक्तामर दीपार्चना का आयोजन इस माह भी अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में संपन्न हुआ। इस माह के पुण्यार्जक नवीन जैन, वनिता जैन, हिमांशु जैन, पूजा जैन, ऋषभ जैन, शिवाय जैन, हुकमचंद जैन, प्रद्युमन जैन, प्रीति जैन, सुविधी जैन एवं सिद्धार्थ जैन, दीप चंद जैन, रमेश जैन, एससीएच हरीश चंद जैन, अजय जैन चक्की वाले, रजनीश जैन, सुरेन्द्र जैन, राजिंदर प्रसाद जैन, प्रमोद जैन, सुनील जैन, अमित जैन, शुभम जैन, यशपाल अग्रवाल इत्यादि थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालुओं ने सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। समिति के पदाधिकारियों ने पुण्यार्जक परिवारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना, एकता और सेवा भावना को सशक्त करते हैं।

सीमा पार तस्करी मॉड्यूल में शामिल दो व्यक्ति 2.5 किलोग्राम हेरोइन और 5 पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत, खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार एवं नशा तस्करी मॉड्यूल के दो सदस्यों को 2.5 किलोग्राम हेरोइन और पांच अत्याधुनिक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर इस गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान तरनतारन के गांव ढोलण निवासी गुरजंट सिंह और गांव छीना बिधी चंद निवासी गुरवेल सिंह के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (मैगजीन सहित) और एक .30 बोर पिस्तौल (मैगजीन सहित) शामिल हैं। नशीले पदार्थों और हथियारों की खेप के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी महिंद्रा 3एक्सओ कार भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल इन खेपों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थित तस्कर के निर्देशों पर यह तस्करी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बरामद हथियार पंजाब में गैर-कानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों और अपराधियों को सप्लाई किए जाने थे।

कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर को खुफिया सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने भारत-पाकिस्तान सीमा से अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप प्राप्त की है, जिसे तरनतारन के गांव ढोलण और छीना बिधी चंद क्षेत्र में ड्रोन की मदद से सीमा पार से भेजा गया था।

वुमानी प्री-करवा चौथ बैश में महिलाओं का धमाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें एक मज़बूत मंच देने के उद्देश्य से वुमानी ने अपने पहले ऑफलाइन इवेंट "प्री-करवा चौथ बैश 2025" का शानदार आयोजन किया। यह आयोजन महिलाओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं रहा।

करीब 100 से अधिक महिलाएँ, जिनकी उम्र 25 से लेकर 80 वर्ष तक थी, इस भव्य कार्यक्रम में शामिल हुईं और उन्होंने फैशन शो, तंबोला, डांस और कई मनोरंजक खेलों में हिस्सा लेकर खूब मस्ती की। मंच पर महिलाओं की ऊर्जा और उत्साह देखते ही बन रहा था।

इस यादगार शाम का जजमेंट संभाला —
सीडी स्कूल की प्रिंसिपल निशु
सेक्टर-5 बीजेपी की प्रेसिडेंट रीचा
ओम स्वीट्स की ओनर सविता

कार्यक्रम में ग्लैमर का तड़का लगाया हीर एक्सप्रेस फिल्म की हीरोइन दिविता जुनेजा ने मंच पर आकर न सिर्फ महिलाओं के साथ 'हीर राजन' गाने पर जमकर डांस किया, बल्कि महिलाओं से मज़ेदार सवाल भी पूछे और उन्हें अपने फिल्मी सफर से रूबरू कराया। उन्होंने कहा, "ऐसे इवेंट्स में आना मेरे लिए बेहद खास है। वुमानी जिस तरह महिलाओं को जोड़कर

उन्हें खुशी और आत्मविश्वास दे रही है, यह काबिल-ए-तारीफ़ है। मैं आगे भी वुमानी के हर प्रयास का हिस्सा बनना चाहूँगी।"

इवेंट को लेकर वुमानी की फाउंडर्स लवलीन और कंचन बेहद उत्साहित रहीं। उन्होंने कहा –"वुमानी का उद्देश्य सिर्फ एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म बनाना नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए ऐसे मौके तैयार करना है जहाँ वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें, खुलकर मस्ती कर सकें और एक-दूसरे से जुड़कर यादगार लम्हे बना सकें। हम आगे भी ऐसे आयोजन करते रहेंगे, ताकि महिलाएँ मनोरंजन और सशक्तिकरण – दोनों का अनुभव कर सकें।" इस अवसर पर महिलाओं ने कहा कि, "करवा चौथ जैसे पारंपरिक त्योहार से पहले इस तरह की मस्ती और जश्न ने हमारे अनुभव को और भी खास बना दिया है।"